संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 46
पृष्ठ 8
सोमवार
04 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– भारत के आर्थिक विकास .... **विचार–** पीरियड क्रैंप्स से राहत..... **खेल–** भारतीय टीम के दो....

बाबा सिद्दीकी की तरह मार देंगे.... मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम में फोन करके योगी आदित्यनाथ के लिए संदेश किसने भेजा?

मुंबई, एजेंसी। मुंबई ट्रैफिक पुलिस को शनिवार शाम को एक धमकी भरा एक संदेश मिला, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की बात कही गयी है। फोन अज्ञात नंबर से किया गया था। फोन करने वाले व्यक्ति ने कहा है कि अगर आदित्यनाथ 10 दिन के अंदर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देते हैं तो उन्हें महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की तरह मार दिया जाएगा। मुंबई ट्रैफिक पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि मुंबई पुलिस के यातायात नियंत्रण कक्ष को एक अज्ञात फोन नंबर से संदेश मिला है। संदेश में कहा गया है कि अगर आदित्यनाथ मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देते हैं तो उन्हें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की तरह मार दिया जाएगा। पुलिस ने

बताया कि संदेश भेजने वाले का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। बता दें, इस मामले में अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनावों के लिए मतदान होने हैं। भाजपा के लिए प्रचार करने के लिए योगी आदित्यनाथ महाराष्ट्र आ सकते हैं। ऐसे में इस धमकी के बाद से पुलिस पहले से ज्यादा अलर्ट हो गयी है। बता दें, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

बाबा सिद्दीकी की हत्या

मुंबई के नामी नेता बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को हत्या कर दी गयी थी। वह अपने बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर निकल रहे थे, जब तीन लोगों ने कई राउंड फायरिंग कर उनकी हत्या कर दी थी। सिद्दीकी की हत्या करने वाले शूटरों को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी हैं, आगे की जांच जारी है।

मुंबई ट्रैफिक पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि मुंबई पुलिस के यातायात नियंत्रण कक्ष को एक अज्ञात फोन नंबर से संदेश मिला है। संदेश में कहा गया है कि अगर आदित्यनाथ मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देते हैं तो उन्हें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की तरह मार दिया जाएगा।

भाजपा का संकल्प पत्र जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रांची में झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी किया। इस अवसर पर असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, संजय सेठ और झारखंड भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी शाह के साथ मौजूद थे। भाजपा के श्संकल्प पत्रश में झारखंड के गठन के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 25 प्रमुख संकल्पों पर जोर दिया गया है। झारखंड की जनता के लिए घोषणाएं करते हुए गृह मंत्री ने कहा, 'हम रोटी, बेटी और माटी तीनों का संरक्षण करेंगे। भाजपा झारखंड में घुसपैठियों से जमीन वापस लेने के लिए कानून लाएगी। भाजपा, झारखंड की माताओं–बहनों को श्गोगो दीदी योजनाश के माध्यम से प्रतिमाह 11 तारीख को 2,100 रुपया देगी। दीपावली और रक्षाबंधन पर एक एक गैस सिलिंडर मुफ्त देंगे और गैस का सिलिंडर 500 रुपये की कीमत पर दिया जाएगा।

- जनता को कई सौगात देने का वादा
- अमित शाह ने सोरेन सरकार और कांग्रेस पर साधा निशाना

हम झारखंड में समान नागरिक संहिता लागू करेंगे लेकिन जनजातीय समुदायों को इसके दायरे से बाहर रखेंगे।' गृह मंत्री ने कहा, '5 वर्ष के भीतर झारखंड के युवाओं के लिए 5 लाख रोजगार के अवसरों का सृजन करेंगे। करीब 3 लाख सरकारी पद निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से भरे जाएंगे। हम झारखंड में हर स्नातक और स्नातकोत्तर युवा को प्रतिमाह 2,000 रुपये का देंगे। आदिवासी सम्मान और अस्मिता को बढ़ावा देने के लिए आदिवासी धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल का विकास करेंगे एवं अनुदान व सहायता देंगे। हम जमशेदपुर में भगवान बिरसा मुंडा का स्मारक बनाएंगे। झारखंड में 'प्रश्न पत्र लीक' होने की सीबीआई, एसआईटी जांच होगी, दोषियों को जेल भेजा जाएगा। झारखंड में उद्योगों, खदानों के कारण विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए आयोग का गठन किया जाएगा। झारखंड में सत्ता में आने पर भाजपा 'सरना धर्म कोड' के मुद्दे पर विचार–विमर्श करेगी और उचित निर्णय लेगी।' संकल्प पत्र जारी करते हुए अमित शाह ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) सरकार के तहत महिलाएं और आदिवासी सुरक्षित नहीं हैं। इसके अलावा उन्होंने सोरेन सरकार पर राज्य की पहचान की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। अमित शाह ने जनता से कहा कि झारखंड का ये चुनाव न केवल सरकार बदलने का चुनाव है, बल्कि झारखंड का भविष्य सुरक्षित करने का चुनाव है। उन्होंने जोर देते हुए राज्य की जनता से पूछा कि उनको तय करना है कि आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई सरकार चाहिए या विकास के रास्ते पर चलती हुई मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार चाहिए।

वायनाड में राहुल गांधी बोले– ये संविधान बचाने की लड़ाई

वायनाड, एजेंसी। राहुल गांधी भी वायनाड लोकसभा सीट के उपचुनाव में अपनी बहन प्रियंका गांधी के लिए प्रचार रण में उतर गए हैं। रविवार को राहुल गांधी ने वायनाड में प्रियंका गांधी के लिए चुनाव प्रचार किया और एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि प्रियंका गांधी आपकी सबसे अच्छी सांसद होंगी। राहुल गांधी ने रविवार को वायनाड में आयोजित रैली के दौरान कहा कि मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे प्रियंका गांधी जैसी बहन मिली, अब ये आप लोगों की भी खुशकिस्मती होगी कि वे आपकी भी बहन, मां और बेटी जैसी होंगी। मुझे विश्वास है कि वे आपके लिए सबसे अच्छी सांसद साबित होंगी। राहुल गांधी ने अपने संबोधन

में जोर देकर कहा कि आज देश में पहला संघर्ष संविधान की रक्षा और उसके संरक्षण के लिए है। उन्होंने कहा कि देश का संविधान नफरत से नहीं, बल्कि विनम्रता और प्रेम से लिखा गया है। मनंतावडी में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा, श्आज देश में मुख्य लड़ाई हमारे देश के संविधान की लड़ाई है। हमें जो सुरक्षा मिलती है, हमारे देश की महानता, सब संविधान से ही आई है। उन्होंने कहा, संविधान गुस्से या नफरत से नहीं लिखा गया था। इसे उन लोगों ने लिखा था जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, जिन लोगों ने कष्ट झेले, जिन्होंने कई साल जेल में बिताए। और उन्होंने संविधान को विनम्रता, प्रेम और स्नेह के साथ लिखा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि यह प्रेम और घृणा के बीच की लड़ाई है। उन्होंने कहा, श्यह आत्मविश्वास और असुरक्षा के बीच की लड़ाई है।

आतंकवाद के बारे में लिखने वाले शख्स ने दी एयरलाइंस को बम से उड़ाने की धमकी! गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। बीते दिनों में एयरलाइंस को बम की धमकी देने की घटनाओं में जबरदस्त इजाफा देखा गया। आलम यह था कि एक दिन में 30 से ज्यादा विमानों को बम से उड़ाने की धमकी दी गईं। हालांकि, यह सब महज अफवाह साबित हुईं। अब महाराष्ट्र पुलिस ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग–अलग एयरलाइंस, प्रधानमंत्री कार्यालय और अन्य सरकारी अफसरों को बम की झूठी धमकी देने के मामले में एक शख्स को नागपुर से गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि गिरफ्तार किए गए शख्स को 2021 में भी एक ऐसे ही मामले में गिरफ्तार किया गया था। नागपुर पुलिस के डीसीपी लोहित मतानी ने कहा कि गिरफ्तार किए गए शख्स का नाम जगदीश उइके है। उसकी उम्र 35 वर्ष है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी को आतंकवाद पर एक किताब लिखने के लिए जाना जाता है। पुलिस ने उसके मोबाइल फोन और लैपटॉप जब्त कर लिए हैं। इन्हें के जरिए उइके ने कथित तौर पर धमकाने वाले संदेश भेजे।

2015 से 2023 तक भारत में 17.7 प्रतिशत तक कम हुए टीबी के मरीज, पीएम मोदी ने दिया अहम संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में तपेदिक (टीबी) के मरीजों की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। यह दावा हुआ है विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट से। इस रिपोर्ट को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एक्स पर पोस्ट भी किया। इस बीमारी के खिलाफ भारत की प्रगति को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने भी अहम संदेश दिया है।

डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों पर क्या बोले स्वास्थ्य मंत्री?

नड्डा ने डब्ल्यूएचओ की ओर से टीबी संक्रमण के खिलाफ भारत की लड़ाई पर जारी एक रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए कहा कि केंद्र सरकार टीबी मुक्त भारत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। उन्होंने आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा कि डब्ल्यूएचओ ने 2015 से 2023 तक टीबी की घटनाओं में 17.7 फीसदी की गिरावट की बात कही है और इस बीमारी से लड़ाई में भारत की जबरदस्त प्रगति को मान्यता दी है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में टीबी के केस कम होने की दर, वैश्विक गिरावट की 8.3 फीसदी की दर के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है। नड्डा ने टीबी के खिलाफ सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि टीबी मरीजों को आवश्यक पोषण संबंधी सहायता मुहैया कराई जा रही है और कई तरह की दवाओं के खिलाफ प्रतिरोधी क्षमता बढ़ा चुके टीबी के इलाज के लिए भी दवा देने का नया तरीका लाया गया है। उन्होंने टीबी के मामले कम होने पर स्वास्थ्य मंत्रालय और स्वास्थ्यकर्मियों को बधाई दी।

क्या बोले पीएम मोदी?

इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा, ''सराहनीय प्रगति! टीबी के मामलों में कमी आना भारत के समर्पित और अभिनव प्रयासों का परिणाम है। एक सामूहिक भावना के माध्यम से, हम टीबी मुक्त भारत की दिशा में काम करते रहेंगे।''

''महायुति विश्वासघाती गठबंधन, किसानों को नजरअंदाज किया गया'', कांग्रेस ने महाराष्ट्र सरकार को घेरा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने महायुति गठबंधन को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने महायुति को विश्वासघाती गठबंधन बताया। कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य के लोग उनके असफल वादों के लिए उन्हें माफ नहीं करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में किसानों को सबसे ज्यादा नजरअंदाज किया गया। उनसे किए गए बड़े–बड़े वादों का कोई नतीजा नहीं निकला। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि मराठवाड़ा के हर गांव में पाइप से पीने का पानी पहुंचाने के लिए जल ग्रिड बनाने का वादा भी पूरा नहीं हुआ। सोशल मीडिया पिलेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए जयराम रमेश ने महायुति सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में होने वाले चुनाव पर महायुति को लेकर जयराम रमेश ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने महायुति को विश्वासघाती गठबंधन बताया। उन्होंने कहा, ष्महायुति एक ऐसी सरकार है जो विश्वासघात पर बनी हुई है। यह भरोसे के साथ विश्वासघात, विचारधारा के साथ विश्वासघात और स्वयं महाराष्ट्र के लोगों के साथ विश्वासघात पर बनी है। किसान इनके राज में सबसे ज्यादा उपेक्षित रहे हैं। सरकार ने उन्हें सिर्फ बड़े–बड़े वादे दिए हैं, हासिल कुछ भी नहीं हुआ है। वर्ष 2019 में महाराष्ट्र के

तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मराठवाड़ा से एक जल ग्रिड बनाने के लिए 20,000 से 25,000 करोड़ के पैकेज का वादा किया था। कहा गया था कि इससे हर गांव में पाइप से पीने का पानी पहुंचाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, इस साल गर्मियों में इस वादे के पांच साल पूरे हो गए और यह मराठवाड़ा में सबसे अधिक पानी की कमी वाले वर्षों में से एक था। मराठवाड़ा में 600 से अधिक गांव और 178 बस्तियां पीने के पानी की भारी कमी के कारण पानी के टैंकरों पर निर्भर थे। पिछले वर्ष के 40: की तुलना में जलाशयों में केवल 19: पीने का पानी बचा था। मराठवाड़ा की जीवन रेखा गोदावरी नदी का भी गला घोंट दिया गया है। कथित तौर पर 2022 में इसकी सफाई के लिए 88 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे लेकिन पानी की गुणवत्ता में कोई सार्थक सुधार नहीं हुआ। जिन लोगों ने जलयुक्त शिवार का वादा किया था, उन्होंने केवल जलमुक्त शिवार ही दिया है।

टूर गाइड की भूमिका में नजर आएंगे नाविक, स्ट्रीट वेंडरों और टैक्सी ड्राइवरों भी होंगे प्रशिक्षित

प्रयागराज। महाकुंभ में पर्यटकों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नाविकों, स्ट्रीट वेंडरों और टैक्सी ड्राइवरों को टूर गाइड के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इससे जहां बाहर से आने वाले लोगों को महाकुंभ क्षेत्र की विस्तार से जानकारी मिल सकेगी, वहीं प्रशिक्षण के बाद स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर भी उपलब्ध होंगे। महाकुंभ में पर्यटन को गति देने के लिए प्रयागराज में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि इससे 45 हजार से अधिक परिवारों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही समस्त धार्मिक पर्यटन स्थलों के आसपास भी रोजगार के नए स्रोत विकसित होंगे। प्रशिक्षित होने वालों में दो हजार के करीब नाविक शामिल हैं। इसके अलावा स्ट्रीट वेंडर्स, टैक्सी ड्राइवरों को भी प्रशिक्षण देकर टूर गाइड के लिए तैयार किया जा रहा है। इन्हें कौशल विकास और मैनेजमेंट की ट्रेनिंग दी जा रही है, ताकि भीड़ नियंत्रण के साथ ही ये पर्यटकों और श्रद्धालुओं को महाकुंभ की परंपरा और महत्ता से रूबरू करा सकें। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि पर्यटन विभाग ने इसके लिए कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान लखनऊ और एक अन्य संस्था के साथ एक एमओयू साइन किया है, जिसके अंतर्गत ट्रेनिंग चल रही हैं। अब तक करीब 300 नाविकों को कौशल विकास की ट्रेनिंग दी जा चुकी है। संस्थान के असिस्टेंट प्रोफेसर प्रखर तिवारी की अगुवाई में यह ट्रेनिंग चल रही है। उन्होंने बताया कि अब तक यहां टूर गाइड के सात बैच की ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है, जिसमें 420 टूर गाइड प्रशिक्षित होकर सेवाएं देने को तैयार हैं। इस प्रशिक्षण के बाद अब नाविक नौकायन से आगे बढ़कर रिवर गाइड की भूमिका का निर्वहन कर सकेंगे। इससे नदियों में धार्मिक स्थलों के किनारे नाव चलाने वाले हजारों नाविकों को रोजगार मिलेगा और पर्यटन स्थलों का वातावरण भी बेहतर होगा। प्रयागराज में 600 स्ट्रीट वेंडर्स और 600 टैक्सी ड्राइवर्स को भी प्रशिक्षण दिया जाना है। इसके अंतर्गत अभी तक 250 स्ट्रीट वेंडर्स और 120 टैक्सी ड्राइवर्स को ट्रेनिंग दी जा चुकी है। पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह के अनुसार, पर्यटकों के प्रति संवेदनशील बनाने और पर्यटक स्थलों एवं मार्गों पर स्वच्छता की जानकारी देने के लिए इनका प्रशिक्षण भी आवश्यक है। महाकुंभ में पीडीए की ओर से 50 परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इसमें अब तक सिर्फ चार पूरी हो सकी हैं। 15 नवंबर तक 31 परियोजनाओं को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि शेष 15 परियोजनाएं 30 नवंबर तक पूरी होने की संभावना जताई जा रही है। इस संबंध में पीडीए के सचिव अजीत कुमार सिंह का कहना है कि महाकुंभ के सभी कार्यों को समय से पहले पूरा कराने के हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। महाकुंभ के प्रमुख आकर्षणों में शामिल हनुमान मंदिर कॉरिडोर का कार्य 10 दिसंबर 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह कॉरिडोर न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र होगा।

मिनटों में फुल हो गई तत्काल की सीटें, आज रहेगी सीजन की सर्वाधिक भीड़

प्रयागराज। दिवाली मनाने के बाद अब वापसी करने वालों की राह मुश्किल हो गई है। अगले कई दिन तक ट्रेनों में कंफर्म बर्थ उपलब्ध नहीं होने से यात्री परेशान हैं। जिन्हें रविवार को वापसी करनी है उन लोगों ने शनिवार को तत्काल टिकट के लिए प्रयास किया, इसमें से कुछ को सफलता भी मिली। तत्काल कोटे के टिकट शनिवार को तीन से चार मिनट में ही फुल हो गए। रामबाग निवासी विनय अग्रवाल तीन नवंबर के लिए दिल्ली का

रिजर्वेशन करवाने शनिवार को रामबाग स्टेशन पहुंचे। उन्होंने बताया कि तत्काल रिजर्वेशन शुरू हुआ तो तीन से चार मिनट में ही दिल्ली जाने वाली सभी ट्रेनों में सीटें भर गईं। यही स्थिति प्रयागराज जंक्शन के आरक्षण काउंटर की रही। यहां अल्लापुर के बृजेश श्रीवास्तव दिल्ली के लिए रिजर्वेशन करवाने पहुंचे। जब तक उनका नंबर आता तत्काल कोटे की सभी सीटें फुल हो गईं। वहीं, बताया जा रहा है कि रविवार को ट्रेनों में सीजन की सर्वाधिक भीड़ उमड़ने की संभावना है। प्रयागराज एक्सप्रेस के एसी–टू में लंबे समय बाद तीन नवंबर को नो रूम हो गया है। एसी–थ्री में भी प्रतीक्षा सूची का आंकड़ा 70 के पार है। इसी तरह 22435 वंदे भारत एक्सप्रेस के चेयर कार में भी रविवार को प्रतीक्षा सूची 190 के पार है। शिवगंगा, रीवा और हमसफर एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों में भी दिल्ली के लिए लंबी प्रतीक्षा सूची है। वहीं, देहरादून एक्सप्रेस भी रविवार को एसी थ्री में 86 तो स्लीपर में 135 तक प्रतीक्षा सूची हो गई है। संगम एक्सप्रेस और नौचंदी एक्सप्रेस में भी अगले कुछ लंबी प्रतीक्षा सूची ही है। दिवाली मनाने के बाद शनिवार से ही लोगों ने वापसी शुरू कर दी। इस वजह से दिल्ली, मुंबई, जयपुर, चेन्नई, अहमदाबाद रूट की सभी ट्रेनों में लंबी प्रतीक्षा सूची रही। प्रयागराज से दिल्ली के लिए चलाई जा रही एसी स्पेशल ट्रेन में भी वेटिंग चल रही है सिविल लाइंस बस स्टेशन पर भी शनिवार दोपहर से ही यात्रियों की आवाजाही बढ़नी शुरू हो गई। पूर्वांचल के तमाम जिलों की ओर जाने वाली बसों में काफी यात्री गए। दोपहर तीन बजे के आसपास जौनपुर और आजमगढ़ जाने वाले बसें यात्रियों की संख्या के मुकाबले कम पड़ गई। इस वजह से वर्कशॉप में खड़ी रिजर्व बसों को लगाया गया। लखनऊ, अयोध्या रूट की भी बसें यहां से भरी गईं।

हाइटेंशन तार की चपेट में आने से मजदूर की मौत, मुआवजे की मांग को लेकर लोगों ने किया हंगामा

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के नई झूंसी इलाके में गंगातट के किनारे भोला मंदिर के पास शनिवार की सुबह हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मजदूर की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर परिजनों के साथ ही इलाके के लोग मौके पर पहुंचे। सूचना पर झूंसी पुलिस भी मौके पर पहुंची लेकिन लोग मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। पुलिस से साफतौर कहा गया कि जब तक सक्षम अधिकारी मौके पर आकर लिखित आश्वासन नहीं देते हैं, शव उठाने नहीं दिया जाएगा। बवाल को देखते हुए मौके पर पैरा मिलिट्री फोर्स भी बुलानी पड़ी। बाद में नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे। उनके आश्वासन पर लोग माने। तब जाकर पुलिस ने तकरीबन तीन घंटे बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चीरघर भेजा। मौके पर लोग भारी संख्या में जुटे रहे। थाना क्षेत्र के नई झूंसी मल्लाही टोला निवासी 52 वर्षीय गणेश निषाद पुत्र स्वर्गीय श्रीनाथ निषाद मेहनत–मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करता था। शनिवार की सुबह वह टहलते हुए नई झूंसी गंगताट पर भोला मंदिर के पास पहुंचा था। ऐसी आशंका है कि लघुशंका के लिए वह किनारे गया। तभी वहां पर बिजली विभाग के लटके रहे 11000 हाईटेंशन तार की चपेट में वह आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। काफी देर बाद लोगों की नजर उस पर पड़ी तो सन्न रह गए। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई तो मौके पर पहुंची। तब तक गणेश के परिजनों के साथ ही मोहल्ले के लोग भारी संख्या में वहां जमा हो गए।

जैना की मौत पर सबके होठ सिले, कश्लेज प्रबंधन की भूमिका पर सवाल

प्रयागराज। शहर के नामी सेंट मैरीज कॉन्वेंट स्कूल एंड कॉलेज की छात्रा जैना की मौत को लेकर 12वें दिन भी कॉलेज से लेकर घर तक सबके होठ सिले हुए हैं। आखिर वह कौन की बात थी, जिसे लेकर जैना ने दुनिया से हमेशा के लिए विदा होने का निर्णय लिया। मासूम की मौत का असली गुनहगार है कौन, इस सवाल पर पर्दा पड़ा हुआ है। मौत की घटना के बाद से ही प्रिंसिपल लिस्सी दफ्तर में नहीं बैठ रही हैं। जबकि क्लास टीचर शिखा श्रीवास्तव का भी पता नहीं है। फिलहाल जिस तरह इस घटना को दबाने की कोशिश की जा रही है, उससे कॉलेज प्रबंधन की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। नौवीं कक्षा की छात्रा जैना हुसैन खान की मौत के बाद अभी तक सेंट मैरीज कॉलेज प्रबंधन की ओर से सार्वजनिक रूप से कोई भी टिप्पणी नहीं आई है। अलबत्ता अभी तक जैना की मौत पर प्रबंधन ने शोक में एक दिन के लिए कॉलेज बंद करने के अलावा कुछ भी नहीं किया है। इसके लिए किसी तरह की आंतरिक जांच कमेटी बनाई गई या नहीं, अभी तक यह भी स्पष्ट नहीं है।

प्रिंसिपल का फोन बंद है। जबकि, कार्यालय के फोन को कोई रिसीव नहीं कर रहा है। हालांकि इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट में पत्र याचिका दाखिल होने के बाद कॉलेज परिसर में सन्नाटा बढ़ गया है। दीपावली की छुट्टी के बाद सोमवार को कॉलेज खुलेगा। ऐसे में सबकी नजर प्रबंधन के कदम को लेकर है। कहा जा रहा है कि इस मामले में प्रबंधन प्रिंसिपल और क्लास टीचर को नोटिस जारी कर घटना के संबंध में पूछताछ कर सकता है। फिलहाल अभी तक इस दिशा में क्या कदम उठाया गया, कॉलेज प्रबंधन की ओर से सार्वजनिक तौर पर कुछ भी नहीं बताया गया है। पुलिस इस घटना पर पैनी नजर रखे हुए है। फिलहाल पुलिस को इस मामले में परिजनों के रुख का इंतजार है। परिवार से जुड़े एक सदस्य ने शनिवार को अमर उजाला को बताया कि कि माता–पिता नहीं चाहते कि जैना के शव को फिर से कब्रिस्तान से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम कराया जाए।

दीप जलाने के विवाद में चले लाठी-डंडे व गड़ासे, एक की मौत, सात घायल

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के आरा कला कजरीगढ़ में दीपावली के दिन बृहस्पतिवार रात दीप जलाने के विवाद में एक पक्ष ने लाठी–डंडे और गड़ासे से हमलाकर पांच लोगों घायल कर दिया था। इनमें से एक युवक की हालत गंभीर बनी थी। पुलिस ने 10 लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। रविवार को इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। इस मामले में दर्ज मारपीट के मुकदमे को हत्या की धारा में तरमीम कर दिया गया है। आरा कला के कजरीगढ़ निवासी दिलीप कुमार दुबे के परिवार के लोग दीपावली के दिन दीप जलाकर रखने जा रहे थे। तभी गांव के रविशंकर, ध्रुवशंकर, दारा सिंह, राम अभिलाष सहित दर्जन भर लोग मौके पर पहुंचे और दीप जलाने का विरोध करते हुए गालीगलौज करने लगे। दिलीप के भाई पवन दुबे ने गालीगलौज का विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी–डंडे सरिया व गड़ासे से उन पर हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने से पवन जमीन पर बेहोश होकर गिर पड़े। बीचबचाव के लिए पहुंचे पिता राजेंद्र दुबे, चाचा जितेंद्र, भाई इंद्र कुमार, प्रदुम दुबे सहित अन्य लोगों को आरोपियों ने पीटकर घायल कर दिया। सभी के हाथ पैर व सिर में गंभीर चोटें आई हैं। आरोप है कि दुकान में भी तोड़फोड़ कर सामान भी नष्ट कर दिया गया है। मारपीट में पवन की हालत गंभीर बनी थी। उसे एसआरएन में भर्ती कराया गया था, जहां रविवार को सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने दिलीप कुमार दुबे की तहरीर पर रवि शंकर यादव, ध्रुव शंकर, रतन सिंह, लवकुश, राम अभिलाष, धारा सिंह, कुलदीप, विकास यादव, चिंतामणि, विपिन यादव व अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उतरांव पुलिस ने सुनील कुमार, ध्रुव शंकर, रवि शंकर और धारा सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एक घायल की मौत को बाद मारपीट में दर्ज मुकदमे को हत्या की धारा में तरमीम कर दिया जाएगा।

सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट में लगाया जाली विवाह प्रमाणपत्र, पांच प्रेमी जोड़ों पर एफआईआर

प्रयागराज। सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट में फर्जी विवाह प्रमाणपत्र लगाने के मामले में पांच प्रेमी जोड़ों पर एफआईआर दर्ज की गई है। यह अमरोहा, बिजनौर, सुल्तानपुर, संभल व मध्य प्रदेश के रीवा जिले से संबंधित हैं। हाईकोर्ट के आदेश पर हुई जांच में विवाह प्रमाणपत्र फर्जी पाए जाने पर उनके खिलाफ कैंट थाने में नामजद रिपोर्ट दर्ज हुई है। कीडगंज थाने में तैनात दरोगा आलोक रंजन ने तहरीर में बताया कि रूबी सैनी पत्नी राजू सैनी पुत्री कृपाल सिंह निवासिनी ग्राम पतेई खलसा जनपद अमरोहा व राजू सैनी पुत्र परम सिंह निवासी बरखेडा राजपूत थाना ददौली जिला अमरोहा ने आर्य समाज कृष्णा नगर (संबद्ध कार्यालय वेद मंदिर मधवा पट्टी खरकौनी नैनी) के पुरोहित संतोष कुमार शास्त्री की ओर से दो अगस्त 2024 को विवाह संस्कार कराया जाना उल्लिखित करते हुए प्रमाण पत्र लगाया। जांच में पुरोहित व मंत्री उमाशंकर ने प्रमाणपत्र उनकी संस्था की ओर से निर्गत नहीं किए जाने की बात कही। इसी तरह शिवानी मिश्रा पत्नी अमन कुमार द्विवेदी पुत्री संतोष कुमार मिश्रा निवासिनी ग्राम नौखंडा तहसील त्योथर जिला रीवा मध्य प्रदेश, अस्थाई पता वार्ड नंबर 03 गुड़िया तालाब शंकरगढ़ प्रयागराज व अमन कुमार द्विवेदी पुत्र सतानंद द्विवेदी निवासी वार्ड नंबर 03 गुड़िया तालाब शंकरगढ़ ताला प्रयागराज की ओर से प्रस्तुत विवाह प्रमाणपत्र भी फर्जी होने की बात सामने आई। तीसरा मामला कोतवाली के चौक स्थित आर्यसमाज मंदिर से संबंधित है। कोतवाली में तैनात उप निरीक्षक विवेक कुमार यादव ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि मनु कुमारी पुत्री चरनसिंह निवासिनी रायपुर खादर थाना चदपुर जनपद बिजनौर व पंकज कुमार पुत्र मदनपाल सिंह निवासी ग्राम रायपुर खादर पोस्ट गंधोरे थाना चदपुर जनपद बिजनौर का विवाह प्रमाणपत्र सत्यापन के दौरान फर्जी पाया गया। एक अन्य अंशू पुत्री तेजपाल निवासिनी इसापुर सुनवारी, थाना नखासा जनपद संभल व संकित पुत्र करम सिंह निवासी ईशापुर सुनवारी थाना नखासा जनपद संभल की ओर से 30ध्08ध्2024 को विवाह कराए जाने संबंधी प्रमाणपत्र भी जांच में फर्जी पाया गया। इसी संस्था के नाम से एक अन्य प्रेमी युगल की ओर से हाईकोर्ट में प्रस्तुत किया गया विवाह प्रमाणपत्र भी फर्जी पाया गया।

जांचकर्ता ने पुलिस को बताया कि रोशनी पुत्री रविन्द्र निवासिनी जगदीशपुर अखंड नगर जनपद सुल्तानपुर व संजीव पुत्र राधाचरन निवासी कुरीराम फरीदपुर खुशहाल जनपद संभल ने आर्यसमाज चौक प्रयागराज से विवाह संस्कार कराया जाना बताया था। जांच में यह फर्जी पाया गया। कैंट पुलिस ने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर मुकदमे दर्ज कर लिए गए हैं।

जेल की दीवारों में कैद नहीं की जा सकती कैदियों के बच्चों की शिक्षा, नीति बनाकर प्रस्तुत करे सरकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, जेल में बंद कैदियों के बच्चों को जेल से बाहर नियमित स्कूलों में शिक्षा हासिल करने का मौलिक अधिकार है। ऐसे बच्चों की शिक्षा और सर्वांगीण विकास को जेल की दीवारों में कैद नहीं किया जा सकता। सरकार ऐसे बच्चों के लिए विशेष प्रावधान और नीति बनाकर 20 नवंबर तक अदालत में हलफनामे संग पेश करे। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट की अदालत ने याची रेखा की ओर से दाखिल जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए दिया है। याची गाजियाबाद के मोदीनगर थाना क्षेत्र की 2023 की हत्या और अपरहण की वारदात में जेल में बंद है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि याची का पांच साल का बच्चा जेल में उसके साथ ही रहता है। जब कोर्ट ने शिक्षा के बारे में जानकारी प्राप्त की तो पता चला कि वह जेल परिसर में स्थित क्रेच स्कूल में पढ़ रहा है, जो केवल कैदियों के बच्चों के लिए ही बनाया गया है। इससे पहले सुनवाई के क्रम में महानिदेशक (कारागार) और प्रमुख सचिव (महिला एवं बाल विकास) ने हलफनामा दाखिल कर कोर्ट को बताया था कि राज्य में अनेक ऐसे बच्चे हैं, जो अपने कैदी माता–पिता संग जेल में ही रहते हैं। उनकी देखभाल के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार ऐसे बच्चों को नियमित स्कूलों में दाखिला दिलाने व विभिन्न सीसीआई में अन्य सहायता प्रणालियां प्रदान करने के लिए एक योजना तैयार कर रही है। कोर्ट ने प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, प्रमुख सचिव (कारागार) और महानिदेशक (कारागार) उप्र को निर्देश दिया कि वह इस संबंध में अंतिम नीति तैयार कर 20 नवंबर तक अदालत में हलफनामे संग पेश करें।

पीसीएस परीक्षा पर इसी हफ्ते स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद, दिसंबर के पहले सप्ताह में है प्रस्तावित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 के आयोजन को लेकर इसी हफ्ते स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। अभ्यर्थियों को भी जानना है कि आयोग परीक्षा दो दिन में कराता है या पहले की भांति एक ही दिन में होगी। आयोग के सूत्रों का कहना है कि एक सप्ताह में परीक्षा के आयोजन को लेकर स्थिति स्पष्ट कर दी जाएगी। बीते दिनों आयोग में धरना–प्रदर्शन करने पहुंचे अभ्यर्थियों ने पहले की भांति एक ही दिन में परीक्षा कराने की मांग की थी लेकिन तब अभ्यर्थियों के बीच पहुंचे आयोग के सचिव स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट नहीं कर सके थे। उन्होंने अभ्यर्थियों से कहा था कि केंद्र निर्धारण का काम चल रहा है। केंद्र निर्धारित होते ही तिथि घोषित की जाएगी। सूत्रों का कहना है कि आयोग ने प्रदेश के सभी जिलों में केंद्र बनाने के विकल्प पर भी काम किया है, ताकि परीक्षा एक ही दिन में कराई जा सके। केंद्र निर्धारण के नियम सख्त होने से आयोग को पर्याप्त संख्या में केंद्र नहीं मिल पा रहे हैं। अगर मानक के अनुरूप केंद्र निर्धारण में अड़चन आती है तो आयोग पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा दो दिन भी करा सकता है। हालांकि दो दिन परीक्षा कराने का निर्णय होता है तो आयोग को अभ्यर्थियों के विरोध का सामना करना होगा, क्योंकि अभ्यर्थी नहीं चाहते हैं कि एक समान मूल्यांकन के लिए मानकीकरण (नॉर्मलाइजेशन) की व्यवस्था लागू की जाए। यह तभी हो सकता है, जब सभी अभ्यर्थियों की परीक्षा एक ही दिन में एक पाली में पूरी करा ली जाए। ऐसी स्थिति में एक समान मूल्यांकन की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। सूत्रों का कहना है कि आयोग ने भी तमाम बिंदुओं ध्यान में रखकर केंद्र निर्धारण की दिशा में काम किया है। इसकी प्रक्रिया अंतिम दौर में है। दिसंबर के पहले हफ्ते में पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा प्रस्तावित है और आयोग के पास परीक्षा पर निर्णय लेने के लिए एक माह का वक्त बचा है। अभ्यर्थी भी असमंजस में हैं और उनकी तैयारी प्रभावित हो रही है। ऐसे में आयोग इसी हफ्ते परीक्षा के आयोजन को लेकर कोई निर्णय ले सकता है।

प्रयागराज स्टेशन पर दुर्लभ प्रजाति के कछुए मिले: चेकिंग होता देख 8 बैग में 104 कछुए छोड़कर भागे तस्कर

प्रयागराज। प्रयागराज से दुलर्भ प्रजाति के कछुओं से भरे बैग तस्कर छोड़कर भाग निकले। जीआरपी ने स्टेशन से 8 बैग में 104 कछुओं को बरामद किया है। वन विभाग की टीम ने पहुंचकर कछुओं को अपने कब्जे में ले लिया और सभी कछुओं को गंगा में छोड़ दिया गया। त्योहारों पर एहतियात के तौर पर ट्रेनों और रेलवे स्टेशन प चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। फोर्स का मूवमेंट देख तस्कर 8 बैग में भरे कछुओं को लावारिस छोड़कर निकल भागे। जीआरपी ने जब बैगों की तलाशी ली तो उसमें कछुए भरे मिले। तुरंत वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई। कछुओं की बरामदगी प्लेटफार्म नंबर दो पर हुई। माना जा रहा है कि तस्कर यहां से कोलकाता की ट्रेन पकड़ने की तैयारी में थे। पुलिस को सामान चेक करते देख वह बैग को यूं ही छोड़कर भाग गए। बरामद कछुओं की कीमत लाखों में आंकी जा रही है। इंस्पेक्टर जीआरपी राजीव रंजन का कहना है कि प्रयागराज के रास्ते कछुओं को कोलकाता ले जाने के मामले सामने आ रहे हैं। इससे पहले भी कछुओं की तस्करी में कई युवक पकड़े जा चुके हैं। अब तक की पूछताछ में पुलिस को यही पता चला है कि कोलकाता का एक गिरोह कछुओं की सप्लाई लेता है। यह कछुए एक डॉक्टर के पास पहुंचाए जाते हैं। इन कछुओं के दांत, खाल और ब्लड से सेक्स वर्धक दवाएं बनाई जाती हैं। एक हफ्ते पहले प्रयागराज के छिवकी रेलवे स्टेशन पर जीआरपी ने दो तस्करों को अरेस्ट कर उनके पास से बैग और झोले में भरे दुलर्भ प्रजाति के 14 कछुओं को बरामद किया था। पकड़े गए दोनों तस्कर सुल्तानपुर के रहने वाले हैं। जीआरपी ने वन विभाग की टीम को बुलाकर कछुओं को उनके सुपुर्द कर दिया। कछुओं को कोलकाता ले जा रहे थे। पुलिस टीम ने छिवकी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर–2 हावड़ा इंड पर दो संदिग्ध युवकों को पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम अच्छे (27) पुत्र लखन निवासी महेसुआ थाना हनुमानगंज जिला सुल्तानपुर और गोविन्द (20) पुत्र पवन निवासी महेतुआ थाना हनुमानगंज जिला सुल्तानपुर, बताया। दोनों के पास मौजूद बैग और झेलों की तलाशी ली गई तो उसमें 14 कछुए पाये गए। इसके बाद दोनों को थाने लाया गया। आगे की पूछताछ में दोनों अभियुक्तों ने पुलिस को बताया कि वह गंगा नदी से कछुओं को पकड़कर ट्रेनों के माध्यम कोलकाता ले जाकर कछुओं की तस्करी करते हैं। कछुओं को पहले भी कोलकाता में महंगे दामों पर बेच चुके हैं। जीआरपी ने दोनों तस्करों पर केस दर्ज कर वन विभाग की टीम को सूचना दी। क्षेत्रीय वन दरोगा आशीष कुमार चौबे व वन दरोगा विश्व दूबे, वन रक्षक महेन्द्र कुमार पहुंच गए। पुलिस की देखरेख में कछुओं को उनके सुपुर्द किया गया। वन विभाग की टीम ने कछुओं को फिर से गंगा में छोड़ दिया।

प्रयागराज में हाईकोर्ट के वकील के घर चोरी: मेन गेट समेत 6 कमरों का ताला तोड़ा, कैश–गहने और कीमती सामान ले गए

प्रयागराज। प्रयागराज में चोरों ने हाईकोर्ट के वकील आजम खान के घर से लाखों का माल पार कर दिया। अधिवक्ता की मां को हार्ट अटैक आया था। पूरा परिवार उन्हें लेकर वाराणसी मेडिकल कॉलेज में था। इस दौरान खाली घर पाकर बदमाशों ने मेन गेट समेत 6 कमरों का ताला तोड़ दिया। छह अलमारी, लॉकर, वार्डरोब, अटैची आदि का ताला तोड़कर कैश–गहने और कीमती सामान उठा ले गए।रविवार की सुबह पड़ोसियों ने मेन गेट का ताला टूटा देखा तो परिवार को चोरी की सूचना दी। खबर पाकर परिवार वाले आनन फानन में वाराणसी से प्रयागराज पहुंच गए। अधिवक्ता आजम खान का मकान खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के लूकरगंज में है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस जांच और पूछताछ कर रही है। पुलिस ने सीसीटीवी भी निकलवाए हैं। आजम खान ने बताया कि सभी कमरों के अलमारी की तलाशी ली गई। हर कीमती सामान चोर उठा ले गए। चोरी कितने लाख की है यह हिसाब लगाया जा रहा है।

खेत में वृद्ध का कंकाल मिलने से हड़कम्प, परिजनों ने हत्या की जतायी आशंका

लालगंज, प्रतापगढ़। खेत में खून लगे कपड़े सहित गायब वृद्ध का कंकाल मिलने से रविवार को इलाके में हड़कम्प मच गया। लालगंज कोतवाली के सरायलालमती गांव के एक खेत में रविवार को धान काटने गये ग्रामीणों ने अचानक कपड़े व कंकाल को देखा तो आवाक रह गये। ग्रामीणों ने शोर मचाया तो आस पास के गांव के लोग भी वहां जुट गये। मृतक के कपड़े और घड़ी से कंकाल की पहचान हुई। एक सप्ताह से गायब धारूपुर निवासी स्व. रामलाल गौतम के पुत्र शंकर लाल गौतम (60) के शव के रूप में कंकाल की पहचान हुई। परिजनों ने कपड़े व घड़ी देखकर कंकाल की पहचान शंकरलाल गौतम को लेकर किया। एक सप्ताह पूर्व शंकर लाल गौतम गायब हुआ था। परिजनों की सूचना पर लालगंज पुलिस ने उसकी गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज किया है। परिजनों का कहना है सप्ताह भर से गायब मृतक की खोजबीन में पुलिस ने रत्ती भर प्रयास नहीं किया। शव देखकर मृतक की पत्नी किशुवाइन रोने बिलखने लगी। मृतक के चार पुत्र व एक पुत्री है। मृतक खेती किसानी कर अपना जीवन यापन करता है। मृतक के पुत्र गोविन्दा गौतम ने बताया कि बीती छब्बीस अक्टूबर को शंकर लाल घर से गायब हो गये थे। पता न लगने पर अट्ठाइस अक्टूबर को पुलिस को शंकर लाल के गायब होने को लेकर तहरीर दी गयी। पुलिस ने तहरीर पर मृतक के गायब होने की गुमशुदगी दर्ज कर ली। परिजनों ने शंकर लाल की मौत को लेकर हत्या की आशंका जतायी है। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस पहुंची और कंकाल का पंचनामा कर पीएम के लिए भेजवाया। प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव का कहना है शव पीएम को गया है, पीएम रिपोर्ट आने के बाद विधिक कार्यवाही की जायेगी।

विधि विधान से किया गया कलम दवात का पूजन

प्रयागराजस नगर के ओमगायत्रीनगर सलोरी मोहल्ले में श्री चित्रगुप्त महाराज की सामूहिक पूजा ओमगायत्रीनगर में राकेश कुमार श्रीवास्तव के निवास पर की गयी। जिसमें कथावाचक शिव

प्रताप श्रीवास्तव तथा जजमान के रुप मे केशव प्रकाश सक्सेना रहे।श्री चित्रगुप्त महाराज की पूजा पूर्ण रुपेण विधि विधान से की गयी जिसमे मोहल्ले के काफी लोग उपस्थित रहे।श्री चित्रगुप्त महाराज की वन्दना, आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

चार आरोपियों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट समेत गम्भीर धाराओं में केस

लालगंज, प्रतापगढ़। उदयपुर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट व गाली गलौज तथा धमकी समेत हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है। नरवल गांव के भगवानदीन का पुरवा निवासी राजबहादुर यादव की पत्नी चन्द्रकली ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि दीपावली की शाम छह बजे गांव के आरोपी शुभम यादव, लवलेश यादव, रामअंजोर यादव तथा आरती एक राय होकर दरवाजे पर पहुंचकर गाली गलौज करने लगे। पीड़िता ने मना किया तो आरोपियों ने घर में घुसकर लाठी डंडे से हमला कर दिया। हमले में वह अचेत हो गयी। आरोपियों ने जानलेवा धमकी भी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी रामअंजोर समेत चार के खिलाफ केस दर्ज किया है। थानाध्यक्ष राधेबाबू का कहना है केस दर्ज किया गया है आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

आरोपियों के खिलाफ मारपीट तथा आगजनी का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। बच्चों के विवाद में महिला की घर में घुसकर पिटाई को लेकर सांगीपुर पुलिस ने एक नामजद तथा एक अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। सांगीपुर थाना के अचकवापुर भैंसना निवासी छोटे लाल की पत्नी जुमना ने तहरीर में कहा है कि बीती चौदह अक्टूबर को बच्चों से गांव के राम सजीवन से कहा सुनी हो गयी थी। इस पर चिढ़े रामसजीवन ने सत्ताईस अक्टूबर को रात साढ़े नौ बजे एक अज्ञात के साथ पीड़िता के दरवाजे पर पहुंचकर गाली गलौज शुरू किया। पीड़िता आरोपी के डर से घर में घुस गयी। इस पर रामसजीवन तथा उसके साथ आये अज्ञात आरोपी घर में घुसकर उसके साथ मारपीट किया। पीड़िता की नातिन सुगना ने बीच बचाव का प्रयास किया तो आरोपियों ने उसे भी मारापीटा। पीड़िता ने शोर मचाया तो आरोपियों ने घर में आग लगा दी। आगजनी में गृहस्थी के सामान तथा खाद्यान्न सामाग्री जलकर नष्ट हो गयी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी गांव के रामसजीवन पुत्र बाबूलाल वर्मा व एक अज्ञात के विरूद्ध घर में घुसकर मारपीट, आगजनी व धमकी समेत गम्भीर धाराओं में केस दर्ज किया है।

क्वीन मेरी हॉस्पिटल में लगी आग, दमकल ने 15 मिनट में पाया काबू

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में चौक के प्रसिद्ध क्वीन मेरी अस्पताल, केजीएमयू के बेसमेंट में रविवार सुबह लगभग 4.47 बजे आग लग गई। मौके पर अफरातफरी मच गई और कई लोग अस्पताल के बेसमेंट में फंस गए। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने 15 मिटन में आग पर काबू पाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सूचना पर चौक फायर स्टेशन और मुख्य अग्निशमन अधिकारी लखनऊ ने दमकल की गाड़ियों को मौके पर रवाना किया। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद अधिकारियों ने देखा कि आग बेसमेंट में रखे मेडिकल सामान में लगी थी। तुरंत कार्रवाई करते हुए अस्पताल के हाइड्रेंट सिस्टम का उपयोग कर आग बुझाने का कार्य शुरू किया गया। क्वीन मैरी हॉस्पिटल में सेंट्रलाइज ऐसी न होने की वजह से धुआं, अन्य कमरों में नहीं पहुंच पाया। बेसमेंट में रखी दवाइयां को ही नुकसान पहुंचा। फायर कर्मियों ने तत्काल खिड़कियां खोली।अस्पताल के स्टाफ ने पहले से ही बेसमेंट की खिड़कियों को खोल रखा था, जिससे धुआं हॉस्पिटल के दूसरे फ्लोर पर नहीं पहुंच पाया। केजीएमयू से मिली जानकारी के अनुसार जिस बेसमेंट में आग लगी थी। वहां पर केवल मेडिकल किट और दवाइयां रखी जाती हैं। शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी। अचानक लगी आग से धुआं उठा गार्ड ने तत्काल फायर कर्मियों को सूचना दी। पहले से प्रशिक्षित केजीएमयू स्टाफ द्वारा भी आग न बढ़ाने देने को लेकर पूरा प्रयास किया गया। अग्निशमन विभाग और केजीएमयू में मॉक ड्रिल का प्रभाव इस घटना में साफ देखा गया।अस्पताल कर्मियों ने दमकल विभाग के पहुंचने से पहले ही एक्सटिंग्विशर और अन्य उपकरणों की सहायता से आग बढ़ने से रोका। समय रहते दमकल विभाग के सहयोग से एक बड़ी दुर्घटना टल गई। फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच में आग का कारण इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन बेसमेंट में रखे कुछ मेडिकल सामान को नुकसान पहुंचा है।

मीरजापुर साहित्य चेतना समाज ने आयोजित की सामान्य ज्ञान व निबंध प्रतियोगिता

मीरजापुर। साहित्य चेतना समाज की मीरजापुर इकाई के तत्वावधान में सामान्य ज्ञान एवं निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन नगर के भरुहना स्थित विन्ध्यवासिनी महाविद्यालय में रविवार को किया गया। इन दोनों प्रतियोगिताओं में नगर सहित सुदूर ग्रामीण अंचल के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। संस्था के संस्थापक अमरनाथ तिवारी अमर ने संस्था के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्ष 1985 में गाजीपुर में स्थापित यह संस्था वर्षपर्यंत सक्रिय रहकर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों एवं युवाओं के भीतर

छिपी प्रतिभा को मुखरित व उजागर कर उन्हें मंच प्रदान करती है।संगठन सचिव प्रभाकर त्रिपाठी ने जानकारी दी कि इन प्रतियोगिताओं में चयनित प्रतिभागियों को आगामी दिसम्बर माह में एक समारोह आयोजित कर स्मृति–चिह्न व प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार भोलानाथ कुशवाहा ने ऐसी प्रतियोगिताओं के आयोजन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इनसे विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास होता है।विन्ध्यवासिनी महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ.नीरज त्रिपाठी ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने से विद्यार्थियों को भविष्य में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिलती है।उन्होंने संस्था द्वारा इस दिशा में किये जा रहे प्रयास की प्रशंसा की। प्रतियोगिता प्रभारी कु. सृष्टिराज ने बताया कि चार वर्गों में आयोजित इन प्रतियोगिताओं के कनिष्ठ वर्ग में कक्षा चार से छह,मध्यम वर्ग में कक्षा सात व आठ,ज्येष्ठ वर्ग में कक्षा नौ व दस एवं वरिष्ठ वर्ग में कक्षा ग्यारह व बारह के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। आयोजन में प्रमुख रूप से कु. पूजा यादव, कु. सृष्टि राज, सचिन श्रीवास्तव,आनन्द केशरी,आनन्द अमित,जय कुमार,मिलन कुमार,कुलभूषण पाठक,मयंक पाठक आदि उपस्थित थे।

'श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज का प्रयाग नगरी में भव्य स्वागत अभिनंदन'

प्रयागराज सनगर संवाददाता शहर समता '36 दिन में 36 राज्यों में गौध्वज प्रतिष्ठित कर एवं महाराष्ट्र में गौमाता को राज्य माता घोषित करवाकर परमाराध्य परमधर्माधीश उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शङ्कराचार्य स्वामिश्रीरूअविमुक्तेश्वरानन्दरू सरस्वती जी महाराज प्रयागराज (इलाहाबाद) एयरपोर्ट आगमन पे परम शिष्य श्री राम सजीवन शुक्ल और अन्य प्रयागवासी उनके स्वागत किया'। 'प्रयाग की पावन धरती पर पूज्यपाद ज्योतिषपीठाधीश्वर जगतगुरू शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज के आगमन पर भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया और पूज्यपाद शंकराचार्य जी का आशीर्वचन प्रसाद सभी उपस्थित लोगो को प्राप्त हुआ।' इस अवसर पर ब्रह्मचारी मुकुंद आनंद, ब्रह्मचारी श्रीधरानंद ,राम सजीवन शुक्ला,संजय मिश्रा, अनुराग त्रिपाठी, सुधांशु श्रीवास्तव, अनूप त्रिपाठी ,रामचंद्र शुक्ल,अधिवक्ता विकास शुक्ला, विवेक शुक्ला, अधिवक्ता देवेंद्र नाथ मिश्र लारा, जलयोधा आर्य शेखर , सरिता द्विवेदी, अधिवक्ता सुनील द्विवेदी, जगन्नाथ यात्रा के पदाधिकारी गण, सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

दिनदहाड़े पेट्रोल पम्प पर लूट की घटना में पुलिस के हाथ खाली, अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस

लालगंज, प्रतापगढ़। उदयपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को दिनदहाड़े हुई पेट्रोल पम्प लूट की घटना में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ लूट का केस दर्ज किया है। हालांकि लूट की घटना के खुलासे को लेकर रविवार को पुलिस के हाथ खाली दिखे। उदयपुर थाना क्षेत्र के राहाटीकर में केपी इंसान फिलिंग पेट्रोल पम्प पर शनिवार को दिन में साढ़े ग्यारह बजे बाइक सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने सेल्समैन अर्जुन केवट के सिर पर तमंचा सटाकर चालीस हजार की लूट की घटना अंजाम दी है। जानकारी मिलने पर जिले के अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी संजय राय भी घटना स्थल पहुंचे। वहीं लालगंज सीओ रामसूरत सोनकर ने भी घटना स्थल पर पहुंचकर घटना के बाबत लोगों से पूछताछ की। एएसपी ने घटना को लेकर उदयपुर एसओ राधेबाबू से नाराजगी जतायी थी। पेट्रोल पम्प के संचालक शेर बहादुर सिंह इंसान की तहरीर पर उदयपुर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का केस दर्ज किया है। दिन दहाड़े पेट्रोल पम्प लूट की घटना को लेकर पुलिस रविवार को भी खुलासे के बाबत माथापच्ची में दिखी। पुलिस को घटना के खुलासे में अभी दूसरे दिन भी निराशा ही हाथ लगी है। एएसपी ने उदयपुर पुलिस को घटना के खुलासे का अल्टीमेटम दे रखा है। एसओ राधेबाबू का कहना है खुलासे के लिए टीम गठित की गयी है। शीघ्र ही घटना का खुलासा किया जायेगा।

सांसद चंद्रशेखर ने किया वंदेभारत ट्रेन पर पत्थर फेंके जाने का दावा, कहा–हतप्रभ और स्तब्ध रह गया

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से आजाद समाज पार्टी–कांशीराम के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने रविवार को दावा किया कि वह जिस वंदे भारत ट्रेन में यात्रा कर रहे थे, उस पर पत्थर फेंके गए और उन्होंने रेल मंत्री और प्रशासन से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने का आग्रह किया। आजाद ने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अभिभावकों और स्कूल शिक्षकों का बच्चों को इस विषय पर जागरूक करने का भी आह्वान किया। आजाद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''आज सुबह मैं वंदेभारत ट्रेन से दिल्ली से कानपुर की यात्रा कर रहा था। सुबह सात बजकर 12 मिनट पर जैसे ही बुलंदशहर जिले के कमालपुर स्टेशन को पार किया, तभी बाहर से किसी असामाजिक तत्व ने पत्थर फेंके, जिससे मेरे से दो सीट आगे बैठे यात्री के पास का शीशा चकनाचूर हो गया।उन्होंने कहा, ''इस घटना से मैं हतप्रभ और स्तब्ध रह गया। इस घटना से न केवल सरकारी संपत्ति को क्षति पहुंची, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़ा हुआ है। ऐसी घटनाएं निंदनीय हैं और किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जा सकतीं।'' आजाद ने कहा, ''एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में ऐसी घटनाओं का आंकड़ा 1503 तक पहुंच गया, जिससे रेलवे को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। यह आंकड़ा सोचने पर मजबूर करता है कि आखिर इस तरह की घटनाएं बार–बार क्यों हो रही हैं। ट्रेन पर पथराव से न केवल संपत्ति को क्षति होती है, बल्कि यह यात्रियों के लिए जानलेवा भी साबित हो सकता है।उन्होंने कहा, ''यह समझने की जरूरत है कि रेलवे देश की एक अमूल्य संपत्ति है और इसका संरक्षण देश के हम सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। समाज में इस तरह की हरकतें न केवल असुरक्षा की भावना पैदा करती हैं बल्कि हमारे देश की छवि को भी नुकसान पहुंचाती हैं।'' सांसद ने कहा कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए केंद्रीय रेल मंत्री, रेलवे पुलिस और प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिए तथा समाज में जागरुकता भी फैलानी चाहिए। उन्होंने ने अभिभावकों और अध्यापकों का आह्वान करते हुए कहा, ''मेरा निवेदन है कि परिवार में माता–पिता और स्कूलों में अध्यापकों के लिए बच्चों को इस विषय पर जागरूक करना जरूरी है। इससे न केवल ऐसी घटनाएं कम होंगी, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो पाएगी।'' आजाद ने कहा, ''हम सभी को एक जागरूक नागरिक बनना चाहिए। यह देश हमारा है, और देश की संपत्ति की सुरक्षा केवल सरकार की ही नहीं बल्कि हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी और संवैधानिक मूल कर्तव्य है।'' उन्होंने अपनी इस पोस्ट को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भी टैग किया है।

मानवता की सेवा दर्दमन्द इंसान ही कर सकता है: जस्टिस शमीम अहमद

ईदगाह में निःशुल्क चिकित्सा कैम्प का आयोजन

लखनऊ, एजेंसी। मानवता की बुनियाद समाज सेवा के जज्बे से हमवार होती है। खुदा पाक के बन्दों की सेवा करना एक बहुत अच्छा कार्य है जो हर इन्सान को व्यक्तिगत एवं सामूहिक तौर पर समाज के लिए अंजाम देना चाहिए। यह कार्य न सिर्फ मानवता की तामीर व तरक्की का कारण बल्कि इस नेक कार्य से व्यक्ति के व्यक्तित्व में भी निखार पैदा होता है। इंसानियत की सेवा सिर्फ दर्दमन्द इंसान ही कर सकता है। इन ख्यालात का इज्हार मद्रास उच्च न्यायाल के जस्टिस शमीम अहमद ने किया। वह आज इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया, मेदान्ता हास्पिटल और काइंड हस्पिटल के सौजन्य से दारूल उलूम फरंगी महल ईदगाह लखनऊ में आयोजित मांसिक निःशुल्क चिकित्सा कैम्प से सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि जरूरत मन्दों और गरीबों की सहायता व सहयोग करना इस्लाम की शिक्षा व हिदायत पर अमल करना है।

कलश यात्रा में उमड़े श्रद्धालु, आज से कथा का शुभारम्भ

लालगंज, प्रतापगढ़। बाबा घुइसरनाथ धाम के समीप रामगंज के चमरूपुर गांव में श्रीमद् भागवत कथा को लेकर श्रद्धालुओं ने भव्य कलश यात्रा निकाली। कथा स्थली से श्रद्धालुओं ने सिर पर कलश धारण कर कलश यात्रा बाबा घुइसरनाथ धाम लेकर पहुंचे। यहां श्रद्धालुओं ने बाबा घुइसरनाथ जी का दर्शन पूजन कर धार्मिक आयोजन की सफलता को लेकर मत्था टेका। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं भगवान श्रीकृष्ण के नाम का संकीर्तन करती दिखीं। कलश यात्रा का संयोजन समाजसेवी बृजेशचन्द्र मिश्र व महेशचन्द्र मिश्र तथा योगेशचन्द्र मिश्र ने किया। इस मौके पर आलोक मिश्र, डॉ. सुशीलचन्द्र मिश्र, रमेश मिश्र, सतीश मिश्र, राकेश मिश्र आदि रहे। संयोजक बृजेशचन्द्र मिश्र ने बताया कि आज सोमवार से कथाव्यास पं. अरूणेश त्रिपाठी जी महाराज द्वारा दिन में तीन बजे से कथा का शुभारम्भ किया जायेगा।

लम्बी कूद प्रतियोगिता में बृजेश को मिला प्रथम स्थान

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के विद्याधर गांव में रविवार को लम्बी कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न गांवों से युवाओं में उत्साह देखा गया। रसूलपुर गुलरहा निवासी बृजेश वर्मा को प्रथम स्थान तथा पड़किया गांव के अम्बुज पाण्डेय द्वितीय एवं शिवगढ़ के फैज को तृतीय स्थान मिला। वहीं भइयादूज पर आयोजित गांव के मेले में आपसी सौहार्द की मजबूती का भी ग्रामीणों ने संकल्प जताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ लालगंज के अध्यक्ष संतोष मिश्र रहे। विशिष्ट अतिथि दिनेश तिवारी व सुधांशु ओझा एवं डॉ. गंगाधर मिश्र ने सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। मुख्य अतिथि संतोष मिश्र ने कहा कि ग्रामीण खेलकूद हमारी पुरानी संस्कृति की मजबूती का प्रतीक है। इस मौके पर शशिधर मिश्र, बंशीधर मिश्र, अजय मिश्र, अमरीश मिश्र, अनुराग, अनुभव, अनिल आदि रहे।

रंजिश में महिला की घर में घुसकर पिटाई, एसपी की फटकार पर दर्ज हुआ मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों द्वारा घर में घुसकर महिला की पिटाई की घटना में एसपी की फटकार पर पुलिस ने छह माह बाद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के धारूशाहपुर निवासी केदारनाथ तिवारी की पुत्री सृष्टि ने एसपी को शिकायती पत्र देकर कहा है कि बीती बारह मई को वह घर पर अकेली थी। रंजिश को लेकर गुरू का पुरवा गांव के दिनश तिवारी, गिरधारी तिवारी पुत्र गण भल्लू तिवारी एवं धारूशाहपुर के राकेश तिवारी के पुत्र शिवम तिवारी ने घर पर आकर गाली देने लगे। पीड़िता मना करते हुए घर में घुस गई तो आरोपियों ने घर के अन्दर मारपीट की। शोर मचाने पर आरोपियों ने गृहस्थी के सामान तोड़कर नष्ट कर दिये। पीड़िता ने सांगीपुर पुलिस को तहरीर दी। जांच के नाम पर पुलिस केस दर्ज करने में आनाकानी करती रही। पीड़िता ने एसपी से फरियाद की तो फटकार पर सांगीपुर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़, गाली गलौज व धमकी का केस दर्ज किया है।

चलती कार में लगी भीषण आग,कार सवार ने कूदकर बचाई जान

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में चलती कार में आग लग गई। रिंग रोड पर चलती कार में पहले धुआं निकलना शुरू हुआ। ड्राइवर ने गाड़ी रोकी और तुरंत बाहर निकला। कुछ ही सेकेंड में कार में भीषण आग लग गई। आस पास की गाड़ियां रुक गईं। घटना रविवार दोपहर 11:15 बजे की विकास नगर इलाके में हुई। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी जानकारी फायर ब्रिगेड को दी गई। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकल की दो टीमें आग पर काबू पा लिया है। जानकारी के मुताबिक कार सवार मुंशी पुलिया से टेढ़ी पुलिया की तरफ जा रहा था। विकास नगर में रिंग रोड पर पहुंचा ही था कि विन पैलेस के सामने अचानक कार से धुआं निकलने लगा।

जलाओ दिया

जल रहा है एक दिया
हार नहीं मानता।
सदा है रोशनी से भरा
अँधेरे के विरोध में खड़ा।

जल रहा है एक दिया
निराशा नहीं जानता।
सदा है आशा से भरा
नकारात्मता के विरुद्ध खड़ा।

जल रहा है एक दिया
अज्ञानता नहीं जानता।
आत्म–प्रकाश से है भरा
असत्य के विरुद्ध है खड़ा।

आओ जलायें एक दिया
प्रकाश से भरा
आशा से भरा
ज्ञान से भरा
शाश्वत सत्य से भरा।

मुक्त हों भय
वैमनस्यता, राग–द्वेष का
हिंसक प्रवृति का
असत्य, मृत्यु का।
आह्वान करें
असतो मा सद् गमय
तमसो मा ज्योतिर्गमय

डॉ अनीता पंडा 'अन्वी'
बैंगलुरू

सम्पादकीय.....

जिम्मेदारी का करें अहसास

पहले से ही उम्मीद थी कि दीपावली के बाद प्रदूषण के स्तर में वृद्धि होगी, वैसा हुआ भी। पहले से ही दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण का संकट बढ़ा हुआ था। सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणियां बार–बार हमारा ध्यान खींचती रहीं। पिछले दिनों खबर आई कि दिल्ली दुनिया की सर्वाधिक प्रदूषित राजधानी है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार देश के सर्वाधिक प्रदूषित 32 शहरों में ग्यारह हरियाणा के हैं। यही वजह है कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र व राज्य सरकारों को फटकार लगाई कि प्रदूषण रोकने के लिये जमीनी स्तर पर प्रयास न के बराबर हैं। दरअसल, इस मौसम में हर साल ठंड शुरू होते ही हवा की दशा–दिशा में बदलाव के साथ ही आसमान में धुएं की परत जमने लगती है। यही वजह है कि पराली संकट व अन्य कारणों से बढ़ते प्रदूषण से चिंतित सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहना नागरिकों का मौलिक अधिकार है। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि सिर्फ सरकारी प्रयासों से ही प्रदूषण की समस्या का समाधान संभव नहीं है। यह स्थिति तभी बदलेगी जब लोगों की तरफ से भी ईमानदार पहल होगी। अब चाहे बात राष्ट्रीय सरोकारों की हो, पानी संकट की हो या फिर प्रदूषण की हो। जब नागरिकों को अहसास होगा कि बिना पटाखे छुड़ाए भी खुशी मनायी जा सकती है तो हम समाज के लोगों, जीव–जंतुओं व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकेंगे। बात तब बनेगी जब हम बच्चों के पाठ्यक्रम में यह बात शामिल करेंगे कि उनके भविष्य के लिये पर्यावरण, पानी व हवा की रक्षा कितनी जरूरी है। बच्चों को अहसास कराएं कि जिस तरह से बड़े लोग पानी का दुरुपयोग कर रहे हैं, उससे उनके भविष्य के लिये पानी का संकट गहरा हो जाएगा। इसके लिये टीवी, प्रिंट मीडिया व सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाये जा सकते हैं। इस अभियान में सूचना माध्यमों की भी जवाबदेही तय करने की जरूरत है। दरअसल, ग्रीन ट्रिब्यूनल या अन्य प्रदूषण नियंत्रक संस्थाएं अकसर राज्यों के सचिवों व अधिकारियों को दंडित करने की बात करती हैं, लेकिन इससे समस्या का समाधान संभव नहीं है। दरअसल, जब तक नागरिकों व किसानों को जागरूक –जवाबदेह नहीं बनाया जाएगा, तब तक स्थिति में बदलाव संभव नहीं है। हम भूल जाते हैं कि इस संकट को बढ़ाने में राजनीति की बड़ी भूमिका है। किसानों के मुद्दों को जोरशोर से उठाकर श्रेय लेने वाले राजनेताओं की जवाबदेही तय होनी चाहिए। दरअसल, बंपर पैदावार का श्रेय लेने वाले राजनेता तब कहां चले जाते हैं जब पराली जलाने का संकट पैदा होता है? सही मायनों में जहां पराली जलाने की घटनाएं ज्यादा होती हैं, वहां क्षेत्र के विधायकों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए कि वे क्षेत्र के किसानों को जागरूक क्यों नहीं कर पाते। क्यों वे पराली के निस्तारण के वैकल्पिक संसाधन उपलब्ध कराने में किसानों का सहयोग नहीं करते? विडंबना यही है कि वे वोट की राजनीति के प्रलोभन में पराली जलाने के खिलाफ आवाज उठाने में चुप्पी साध लेते हैं। उनके खिलाफ भी तो लापरवाही के मामले दर्ज होने चाहिए। वहीं यह भी हकीकत है कि प्रदूषण संकट के मूल में सिर्फ पराली समस्या ही नहीं है। हमारी उपभोक्ता संस्कृति, वाहनों का अंबार, सार्वजनिक यातायात सुविधा का पर्याप्त न होना, अनियोजित निर्माण कार्य, जीवाश्म ईंधन का प्रयोग तथा कूड़े का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण न होना भी प्रदूषण संकट के मूल में है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिये व्यापक स्तर पर जनजागरण अभियान चलाने, शैक्षिक पाठ्यक्रम में प्रदूषण–पर्यावरण के मुद्दे शामिल करने तथा तंत्र की जवाबदेही तय करना प्राथमिकता होनी चाहिए। यदि हम ऐसा करें तो साल–दर–साल बढ़ते प्रदूषण संकट पर किसी तरह लगाम लगाने में हम कामयाब हो सकते हैं। साथ ही हर साल वायु प्रदूषण से होने वाली लाखों मौतों को हम रोक पाने में कामयाब हो सकते हैं।

भारत के आर्थिक विकास में जनजाति समाज का है भरपूर योगदान

प्रह्लाद सबनानी

प्राचीन काल से केवल प्रकृति ही जनजाति समाज की सम्पत्ति मानी जाती रही है, जिसके माध्यम से उनकी सामाजिक, आर्थिक एंव पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती रहती है।

भारत भूमि का एक बड़ा हिस्सा वनों एवं जंगलों से आच्छादित है। भारतीय नागरिकों को प्रकृति का यह एक अनोखा उपहार माना जा सकता है। इन वनों एवं जंगलों की देखभाल मुख्य रूप से जनजाति समाज द्वारा की जाती रही है। जनजाति समाज की विकास यात्रा अपनी भूख मिटाने एवं अपने को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से केवल वनों के इर्द गिर्द चलती रहती है। वास्तविक अर्थों में इसीलिए जनजाति समाज को धरतीपुत्र भी कहा जाता है। प्राचीन काल से केवल प्रकृति ही जनजाति समाज की सम्पत्ति मानी जाती रही है, जिसके माध्यम से उनकी सामाजिक, आर्थिक एंव पारिस्थितिकीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती रहती है। ऐसा कहा जाता है कि अनादि काल से जनजाति संस्कृति व वनों का चोली दामन का साथ रहा है और जनजाति समाज का निवास क्षेत्र वन ही रहे हैं। इस संदर्भ में यह भी कहा जा सकता है कि वनों ने ही जनजातीय जीवन एंव संस्कृति के उद्भव, विकास तथा संरक्षण में अपनी आधारभूत भूमिका अदा की है। भील वनवासियों का जीवन भी वनों पर ही आश्रित रहता आया है। जनजाति समाज अपनी

आजीविका के लिए वनों में उत्पन्न होने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का उपयोग करते रहे हैं। भारतीय वन क्षेत्रों में पाए जाने वाले प्रमुख वनस्पतियों, पेड़ों एवं उत्पादित वस्तुओं में शामिल रहे हैं बबूल, बेर, चन्दन, धोक, धामन, धावड़ा, गुदी, हल्दू, इमली, जामुन, कजरी, खेजड़ी, खेड़ा, कुमटा, महुआ, नीम, पीपल, सागवान, आम, मुमटा, सालर, बानोटीया, गुलर, बांस, अरीठा, आंवला, गोंद, खेर, केलडी, कडैया, आवर, सेलाई वृक्षों से करा, कत्था, लाख, मौम, धोली व काली मुसली, शहद, आदि। इनमें से कई वनस्पतियों की तो औषधीय उपयोगिता है। कुछ जड़ी बूटियों जैसे आंवला का बीज, हेतडी, आमेदा, आक, करनीया, ब्राह्मी, बोहड़ा, रोंजडा, भोग पत्तियां, धतुरा बीज, हड, भुजा, कनकी बीज, मेंण, अमरा, कोली, कादां, पडूला, गीगचा, इत्यादि का उपयोग रोगों के निवारण के लिए किया जाता रहा है। आमेदा के बीजों को पीसकर खाने से दस्त बंद हो जाते हैं। अरण्डी के तेल से मालिश एंव पत्तों को गर्म करके कमर में बांधने से दर्द कम हो जाता है। बुखार को ठीक करने के लिए कड़ा वृक्ष के बीजों को पीस कर पीते हैं। जोडों में दर्द ठीक करने के लिए ग्वार व सैजने के गोंद का उपयोग करते हैं। फोडे फुन्सियों एवं चर्म रोग को ठीक करने के लिए नीम के पत्तों को उबालकर पीते हैं। इसके अलावा तुलसी, लौंग, सोठ, पीपल, काली मिर्च का उपयोग बुखार एवं जुखाम ठीक करने के लिए किया जाता है। शुरुआती दौर में तो जनजाति समाज उक्त वर्णित वनस्पतियों एवं उत्पादों का उपयोग केवल स्वयं की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए ही करते रहे हैं परंतु हाल ही के समय में इन वनस्पतियों का उपयोग व्यावसायिक रूप से भी किया जाने लगा है। व्यावसायिक रूप से किए जाने वाले उपयोग का लाभ जनजाति समाज को न मिलकर इसका पूरा लाभ समाज के अन्य वर्गों के लोग ले रहे हैं। उक्त वनस्पतियों एवं उत्पादों का व्यावसायिक उपयोग करने के बाद से ही प्रकृति का दोहन करने के स्थान पर शोषण किया जाने लगा है क्योंकि कई उद्योगों द्वारा उक्त उत्पादों का कच्चे माल के रूप में उपयोग किया जाने लगा है। इससे ध्यान में आता है कि जनजाति समाज द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में विकास को गति देने के उद्देश्य से अपनी भूमिका का निर्वहन तो बहुत सफल तरीके से किया जाता रहा है परंतु अर्थव्यवस्था के विकास का लाभ जनजातियों तक सही मात्रा में पहुंच नहीं सका है। हालांकि भारत में प्राचीन काल से ही जनजाति समाज जंगलों में अपना जीवन यापन करता रहा है और वनोपज (जैसे मध्यप्रदेश में तेन्दु पत्ता को एकत्रित करना) को एकत्रित करता रहा है परंतु अब धीरे धीरे अपने आप को यह समाज कृषि कार्य एवं पशुपालन जैसे अन्य कार्यों में भी संलग्न करने लगा है।

किसानी और पशुपालन से भी जुड़ी है दीपावली

बाबा मायाराम

दीपावली का त्योहार खेती–किसानी और पशुपालन से जुड़ा हुआ है। इस मौके पर हल–बक्खर जैसे कृषि के औजारों और अन्न देने वाली धरती माता की पूजा होती है। गाय, बैल आदि सभी जानवरों को सजाया जाता है। उनकी भी पूजा की जाती है। यह वह समय होता है जब किसान के घर में खरीफ की फसल आ जाती है। छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश में धान की फसल इसी समय आती है। आज इस कॉलम में दीपावली की इसी परंपरा पर दृष्टि डालना उचित होगा, जिससे इन त्योहारों में जो सादगीपूर्ण सरल जीवन पद्धति का संदेश था, उसे याद करें, जिससे हमारा जीवन खुशहाल, समृद्ध व शांतिपूर्ण हो सके। ग्रामीण भारत में दीपावली को बहुत ही उत्साह व धूमधाम से मनाने की परंपरा रही है। गांवों में आमतौर पर मिट्टी के कच्चे घर हुआ करते थे, अब भी हैं, उनकी मरम्मत की जाती है। घर–आंगन का रंग–रोगन किया जाता है। गाय–बैलों को नहलाया धुलाया जाता है। उनको सजा–संवारा जाता है। दिवाली पर लक्ष्मी पूजन होता है। धन–धान्य की समृद्धि की कामना की जाती है। छत्तीसगढ़ में धान की सुंदर झालर बनाई जाती है, और उसकी पूजा भी होती है। खेती से जुड़ाव का एक उदाहरण यह है कि पहले लक्ष्मी की तस्वीर भी सूपा में अनाज बरसाते हुए होते थी, अब यह तस्वीर गायब हो गई है। इसी प्रकार, गो–धन की पूजा भी होती थी। इसमें तरह–तरह के घास, औषधीय पौधे, फसलों की बालियां की भी पूजा की जाती थी। गोधन को ही पशुधन कहा जाता था, जिसका खेती में अटूट योगदान था। पहले स्कूलों में दिवाली की लंबी छुट्टी (24 दिन की) हुआ करती थी, जिसे फसली छुट्टी भी कहते थे। इस दौरान बच्चे उनके मां–बाप के साथ खेतों के काम में मदद करते थे। खेती के तौर–तरीकों सीखते थे, आसपास के परिवेश व पर्यावरण से परिचित होते थे। जमीनी हकीकत से जुड़ते थे। रिश्तेदारों के घर जाते थे। इससे हाथ के काम, कुशलता सीखते थे, समाज में घुलना–मिलना व आपस में एक दूसरे से सीखना भी होता था, अब यह छुट्टी कम हो गई है। वैसी भी हमारी शिक्षा में श्रम के मूल्य को स्थान नहीं दिया गया है। लेकिन आज खेती–किसानी और पशुपालन पीछे छूटते जा रहे हैं। बाजार की दिवाली प्रमुख हो गई है। यानी एक दिवाली भागती हुई सभ्यता की प्रतीक बन गई है तो दूसरी दिवाली कृषि सभ्यता में ठहर गई है। एक दिवाली में गगनचुंबी इमारतों होने वाली दिवाली की पार्टियों का शोर है, बल्बों की रोशनी है, तो दूसरी दिवाली अब गांवों में उजड़ती दिख रही है, वहां सन्नाटा पसरा रहता है। खेती और गांव उजड़ती हुई सभ्यता के प्रतीक बन रहे हैं। आज खेती और किसानों की कई समस्याएं हैं। कुछ जलवायु बदलाव से जुड़ी हैं तो कुछ बाजार से। यानी कुछ मानवनिर्मित है, तो कुछ प्रकृतिजन्य। कुछ लोग इसे प्रकृति की देन बताकर पल्ला झाड़ लेते हैं। हम आज ऐसे आधुनिक समय में जी रहे हैं, जहां सब कुछ देखकर भी अनदेखा कर देते हैं। किसान और किसान की पीड़ा हमारी आंखों से ओझल हो रहे हैं। कुछ लोगों द्वारा तर्क दिया जाता है कि अगर खेती घाटे का धंधा है तो छोड़ क्यों नहीं देते? गांव में रोजगार नहीं है तो शहरों में क्यों नहीं आते? खेती के पक्ष में दो–तीन बातें महत्वपूर्ण हैं। एक, मनुष्य का पेट अनाज से ही भर सकता है, किसी और चीज से नहीं और अनाज खेत में पैदा होता है। अनाज को किसी फैक्ट्री में पैदा नहीं किया जा सकता है। दूसरा, खेती में वास्तव में उत्पादन होता है, एक दाना बोओ, पच्चीस दाने पाओ। ऐसा किसी और माध्यम से संभव नहीं है। उद्योगों में कच्चा माल डालने से उसमें रूप परिवर्तन होता है। इसलिए खेती का महत्व हमेशा बना रहने वाला है। फिर किसान जो बड़ी तादाद में हैं, खेती को छोड़कर करेगा क्या? इसी तरह, किसानों का सबसे पुराना दोस्त बैल भी अब खेती में पीछे हो गया है। कुछ समय पहले तक पशुओं के मनुष्य के व्यवहार की मिसालें दी जाती थी, वह पशुपालन भी कम हो गया है। पूरी किसानी संकर बीजों, रासायनिक खाद व कीटनाशकों के भरोसे हो रही है। जिससे खेती की लागत तो बढ़ ही रही है, साथ ही मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी कम हो रही है। खेती के लिए मित्र कीट भी खत्म हो रहे हैं। पक्षी भी कम दिखाई देते हैं। जबकि पशुओं के गोबर खाद से जमीन उर्वर होती थी। दूध–घी भी मिलता था। और इसमें अलग से कोई खर्च भी नहीं होता था। फसलों के डंठल पशुओं के चरने के काम आते थे। इस तरह एक चक्र बना हुआ था। यानी खेती मनुष्य, पशु, पक्षी सभी जीव– जगत के पालन का विचार शामिल था। एक और समस्या दीपावली से जुड़ गई है, और वह कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल से जुड़ी है। पहले गाय–बैलों को गेरू (लाल–पीली मिट्टी) से रंगा जाता था, इसकी जगह अब ऑइल पैंट का इस्तेमाल किया जा रहा है। गेरू मिट्टी का आज भी महत्व है। गेरू जंतुनाशक मानी जाती है। बारिश में पशु के जख्मों के उपचार में काम आता है। बैलों के सींग पहले उसी से रंगते थे। किन्तु आज आकर्षक ऑईल पेंट का इस्तेमाल होता है, जो महीनों तक बैलों के सींगों में चिपका रहता है। इससे पशु को तकलीफ होती होगी। सींग के छेद ऑईल पेंट के कारण बंद होते हैं। पशु के पूरे शरीर पर गेरू से निशान भी लगाते थे। आज बाजार के रासायनिक, जहरीले किन्तु आकर्षक रंग ने ले ली है। पशु वह रंग चाटते हैं। इसी प्रकार, आज की रंगोली कल झाड़ू साफ कर दूसरी बनाई जाती है। रोज–रोज यही होता है, खासकर दशहरा–दीवाली के दौरान घर–घर यही चित्र दिखता है। यह रंगोली अगले दिन कचरे में जाती है। उसके जहरीले रंग मिट्टी, पानी में पहुंचकर प्रदूषण फैलाते हैं। यह हम रोक सकते हैं। इसके साथ ही, कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल खाद्य पदार्थ में होता है। इन सबसे बचा जा सकता है। कृत्रिम रंगों के विकल्प जरूर हैं। वनस्पतिजन्य, पर्यावरणस्नेही रंग हम पहले इस्तेमाल करते ही थे। आधुनिक जीवनशैली की चमक तथा विविधता ने हम मोहग्रस्त हुए।

मेष :– अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों की मधुरता बढ़ेगी। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन चिंतित होगा। किसी बड़ी यात्रा के प्रति मन उत्साहित होगा। असीम प्रतिभाओं के बावजूद असफल होंगे।

बृषभ :– विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें।

मिथुन :– किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। पारिवारिक संबंधों में कटुता न आने दें। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाप संभव।

कर्क :– किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित न हों। अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलने वाली हैं।

सिंह :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। नाजुक संबंधों में भावनात्मक तालमेल बिठाने का प्रयत्न करें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

कन्या :– कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु उद्वेलित करेगी। दूसरों की आलोचना का असर मनोबल पर कतई न पड़ने दें। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

तुला :– कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन नई–नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी।

वृश्चिक :– बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने का प्रयास करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ मिलेगा। बिना वजह दूसरों की पीठ पीछे आलोचना न करें। परिवार में खुशहाल स्थिति से मन प्रसन्न होगा।

धनु :– दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न पाले। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन का भी योग है। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कायरे की पूर्ति समय से करें।

मकर :– रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता मिलने का योग है। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कार्यक्षेत्र में क्षमताओं का लाभ उठाएंगे।

कुंभ :– रोजगार क्षेत्र में मिल रहे नये अवसरों का लाभ उठाएंगे। आवेश में लिये गये निर्णय से हानि संभव। राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ेंगी। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

मीन :– आपकी सारी समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

जापान में राजनीतिक अनिश्चितता, सत्तारूढ़ एलडीपी को चुनावों में हार का सामना

अंजन रॉय

पिछली संसद में इसके पास 247 सीटें थीं, जबकि बहुमत के लिए 233 सीटें चाहिए थीं। अब इसे केवल 191 सीटें मिली हैं। एलडीपी के सामने स्पष्ट रूप से मजबूरियां हैं।

जापान के पिछले रविवार को आये चुनाव नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि अच्छी अर्थव्यवस्था अक्सर राजनीतिक लाभ पाने में विफल रहती है। परन्तु इसका यह भी मतलब नहीं है कि खराब अर्थव्यवस्था को अच्छा राजनीतिक राजस्व मिलता है। इस सोमवार को चुनाव के नतीजे सामने आने के साथ ही यह स्पष्ट हो गया कि प्रधानमंत्री शिगेरूइशिबा को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने एक बार फिर चुनाव की घोषणा करके एक सौदेबाजी की थी, जिससे उन्हें एक ठोस बहुमत मिलने की उम्मीद थी, जिससे उन्हें कहीं अधिक ठोस राय मिल सकती थी। हालांकि, नतीजे इसके उलट आये। लंबे समय से सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी –एलडीपी– ने अपना बहुमत खो दिया। पिछली संसद में इसके पास 247 सीटें थीं, जबकि बहुमत के लिए 233 सीटें चाहिए थीं। अब इसे केवल 191 सीटें मिली हैं। एलडीपी के सामने स्पष्ट रूप से मजबूरियां हैं। उसे कुछ छोटी पार्टियों को अपने पाले में लाना होगा और इस तरह से एक साधारण बहुमत जुटाना होगा, जिसमें वह एक प्रमुख खिलाड़ी होगी। संख्याएं जो भी हों। लेकिन जमीनी स्तर पर हालात बहुत अनुकूल नहीं थे। जापान कई वर्षों और दशकों से सुस्त अर्थव्यवस्था से जूझ रहा था। उस आर्थिक ठहराव की मुख्य विशेषता अपस्फीति थी। अपस्फीति एक ऐसी घटना है, जिससे मुद्रास्फीति की तुलना में कॉपी बुक अर्थशास्त्र से लडना कहीं अधिक कठिन है। जब कीमतें एक निश्चित अवधि में गिरती रहती हैं, तो यह एक ऐसा मनोविज्ञान उत्पन्न करती है जो अर्थव्यवस्था में किसी भी वृद्धि के खिलाफ है। उपभोक्ता यह अनुमान लगाकर वस्तुओं और सेवाओं पर अपना पैसा खर्च नहीं करते कि निकट भविष्य में इनमें गिरावट आयेगी। इसलिए उपभोग व्यय में गिरावट आती है। पिछले तीन दशकों में जापानी अर्थव्यवस्था के लिए यही अभिशाप रहा है, जब अर्थव्यवस्था वास्तव में अपनी क्षमता के अनुसार बढने में विफल रही थी। जापानी आर्थिक प्रबंधकों ने अपने शस्त्रागार में मौजूद हर दवा को आजमाया जो कि उपचार के रूप में इस्तेमाल की जा सकती थी। बैंक ऑफ जापान ने ब्याज दरों को ऐतिहासिक रूप से कम कर दिया था। वास्तव में, केंद्रीय बैंक ने नकारात्मक ब्याज दरें शुरू की थीं जो केंद्रीय बैंकिंग के इतिहास में अभूतपूर्व थी। इसका मतलब है कि अगर आप अपनी बचत को बैंकों में रखते हैं तो आप खो देंगे और वे आपको ब्याज देने के बजाय एक छोटी राशि को रख–रखाव शुल्क के रूप में काट लेंगे। हाल ही में ऐसी स्थिति उलट गयी। बैंक ऑफ जापान ने 2त्न का मुद्रास्फीति लक्ष्य रखा था जो वर्षों से कभी हासिल नहीं हुआ। यह स्थिति बदली और इस साल अक्तूबर में मुद्रास्फीति दर 3त्न पर पहुंच गयी। इसका स्वागत किया जाना चाहिए था। लेकिन वास्तव में, मुद्रास्फीति दर से नाराजगी थी और यह विनाशकारी परिणामों के प्रमुख कारणों में से एक था। लोगों ने बढ़ती कीमतों की शिकायत की, जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखी थी। दूसरा, जापानी मजदूरी दरें स्थिर रहीं और वर्षों तक उनमें उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई। शिगेरूइशिबा की तत्कालीन सरकार ने मजदूरी बढ़ाने की वकालत की थी और कंपनियों से उच्च मजदूरी देने का आग्रह किया था। यह जापानी अर्थव्यवस्था में समग्र परिवर्तनों का भी हिस्सा था। हाल ही तक जापान में जीवन भर रोजगार की संस्कृति देखने को मिली थी। लोग अपने पूरे करियर के लिए एक कंपनी में शामिल होकर श्रमिक धारा में प्रवेश करते थे और उसी रोजगार में अपना कार्यकाल पूरा करते थे। यह प्रवृत्ति हाल ही में बदल रही है। युवा लोग नौकरी बदल रहे हैं और वैकल्पिक नियोक्ताओं के साथ उच्च वेतन के लिए बातचीत कर रहे हैं। इशिबा सरकार ने भी इस विचार का समर्थन किया था। पिछली सरकार के प्रधान मंत्री ने समग्र वेतन वृद्धि और प्रतिभा के लिए नियोक्ताओं के बीच प्रतिस्पर्धा के विचारों का सक्रिय रूप से समर्थन किया था। वेतन संशोधन के लिए उद्योग स्तर पर वेतन वार्ता आकार ले रही थी। पूरा विचार यह था कि बढ़ती मजदूरी और धीरे–धीरे बढ़ती कीमतों के साथ, उपभोक्ता अपनी वित्तीय बचत बढ़ाने के बजाय अपनी डिस्पोजेबल आय खर्च करना पसंद करेंगे। यह उपभोग है जो समग्र बचत के बढ़ते स्तरों के बजाय विकास और विकास के लिए प्रोत्साहन के रूप में कार्य करता है। जापानी अर्थव्यवस्था की अंतिम विशेषता सार्वजनिक ऋण के बढ़ते स्तर और सार्वजनिक ऋण के स्टॉक पर भारी ब्याज का बोझ था। जापानी सार्वजनिक ऋण देश के सकल घरेलू उत्पाद के 260त्न से अधिक हो गया है। स्वाभाविक रूप से, ऋण का ऐसा बोझ भारी ब्याज सेवा बोझ लगायेगा। सरकार जापानी सार्वजनिक वित्त के इस पहलू से अवगत थी और वह सार्वजनिक ऋण के स्तर को कम करने के बारे में सोच रही थी। इसके लिए एक साधन करों में वृद्धि करना था। उपभोग वस्तुओं पर कर लगाने और बिक्री कर लगाने का प्रस्ताव किया गया था। हालांकि, इन कदमों का विरोध किया गया और इस आधार पर आलोचना की गयी कि इस तरह के कदम से उपभोग में वृद्धि को हतोत्साहित किया जायेगा। वास्तव में, जापानी संघीय सरकार मुश्किल में फंस गयी थी। इन आर्थिक बुराइयों का मुकाबला करने के उसके प्रयासों को नाराजगी का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही निजी लाभ के लिए राजनीतिक दुराचार का खुलासा हुआ। जब कीमतें बढ़ रही थीं या सार्वजनिक वित्त ऋण के बोझ से दब रहा था, तो राजनेता जनता की कीमत पर अपने घोंसले बना रहे थे। राजनेताओं को जनता की कीमत पर पैसा मिल रहा था। राजनीतिक वित्तपोषण सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा जुटायी गयी थी, लेकिन यह पाया गया कि इसकाएक बड़ा हिस्सा सांसदों के खजाने में चला गया।

राजीव सेन को बेटी जियाना से मिलने नहीं देती चारू असोपा! बोले-तुम्हारे बर्थडे पर साथ रहने की हरी झंडी नहीं मिली

राजीव सेन और चारु असोपा की बेटी जियाना तीन साल की हो गई। हालांकि इस बार राजीव जियाना के साथ मौजूद नहीं हो पाए। अपनी कहानी का खुलासा करने के लिए उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी बेटी के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इसके साथ ही उन्होंने एक नोट भी लिखा और बताया कि कैसे चारु ने उन्हें जियाना से मिलने की अनुमति नहीं दी।

सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन और भाभी चारू असोपा के बीच का झगड़ा जग जाहिर है। कपल के बीच मनमुटाव शादी के बाद से शुरू हो गए थे हालांकि बेटी के जन्म के बाद दोनों साथ आए। इसके कुछ समय बाद फिर दोनों मे खटपट शुरू हो गई और नौबत तलाक तक आ गई। अब कपल अलग हो चुका है लेकिन दोनों जियाना की मिलकर परवरिश कर रहे हैं। हालांकि, ऐसा लगता है कि राजीव और चारु के बीच सब कुछ ठीक नहीं है।चारू राजीव को जियाना से मिलने नहीं देती। ऐसा हम नहीं बल्कि जियाना के बर्थडे पर की राजीव की पोस्ट बता रही है। पोस्ट में राजीव ने कहा जियाना के तीसरे जन्मदिन के लिए उसके साथ रहने के लिए हरी झंडी नहीं मिली। 1 नवंबर, 2024 को राजीव सेन और चारु असोपा की बेटी जियाना तीन साल की हो गई। हालांकि इस बार राजीव जियाना के साथ मौजूद नहीं हो पाए। अपनी कहानी का खुलासा करने के लिए उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी बेटी के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इसके साथ ही उन्होंने एक नोट भी लिखा और बताया कि कैसे चारु ने उन्हें जियाना से मिलने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने लिखा–श्जन्मदिन मुबारक हो मेरी छोटी सी बच्ची जियाना। अपने तीसरे जन्मदिन का भरपूर आनंद उठाओ, मैं तुम्हारे खास दिन पर तुम्हारे साथ आना और रहना कितना चाहता था, लेकिन मुझे तुम्हारे जन्मदिन पर तुम्हारे साथ रहने की हरी झंडी नहीं मिली। मुझे यकीन है कि तुम्हारे अगले जन्मदिन पर तुम्हारे पापा फिर से तुम्हारे साथ होंगे। जब तुम मुंबई वापस आ जाओगी, तो हम तुम्हारा जन्मदिन मनाएंगे। तुमसे प्यार करता हूं और तुम्हारी याद आती है। चारू अक्सर अपने पति राजीव के साथ भावुक तस्वीरें शेयर करती रहती हैं और लोग अक्सर सोचते हैं कि क्या वे फिर से साथ आने की योजना बना रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में चारू ने कहा कि उन्होंने अतीत के भूतों को दफना दिया है और राजीव के साथ उनकी अच्छी दोस्ती है।

शारदा सिन्हा के छठ गीत ने प्रशंसकों का जीता दिल, यूट्यूब पर मचाया धूम

बिहार की प्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा ने दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से आस्था के महापर्व छठ का एक नया गीत जारी किया है। तबीयत खराब होने के चलते शारदा सिन्हा का दुखवा मिटाईं छठी मईया का ऑडियो सॉन्ग रिलीज किया गया है। उनके बेटे अंशुमान सिन्हा ने शारदा सिन्हा का ऑडियो सॉन्ग जारी किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब पर इस छठ गीत को काफी लोकप्रियता मिल रही है। शारदा सिन्हा के यूट्यूब चौनल पर अपलोड किए गए दुखवा मिटाईं छठी मईया गीत को 43,834 बार देखा जा चुका है। शारदा सिन्हा के नए छठ गीत के बोल, ष्दुखवा मिटाईं छठी मईया, रउए असरा हमार, रउए असरा हमार... सब के पुरावे ली मनसा, हमरो सुन लीं पुकार, हमरो सुन लीं पुकार...ष में कोई वीडियो नहीं है। इस गीत को केलव ऑडियो फॉर्मेट में जारी किया गया है। फिर भी छठी व्रत करने वाली माताओं के चेहरे पर इस गीत के बोल ने नई खुशी ला दी है। पद्म भूषण से सम्मानित 72 वर्षीय शारदा सिन्हा एक लोकप्रिय लोक गायिका और शास्त्रीय गायिका हैं। वह बिहार की रहने वाली हैं। शारदा सिन्हा मैथिली और भोजपुरी गानों के लिए जानी जाती हैं। उनके चर्चित गानों में विवाह गीत और छठ गीत शामिल हैं। संगीत में उनके योगदान के लिए उन्हें 1991 में पद्म श्री और 2018 में पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया है। शारदा सिन्हा का जन्म 1 अक्टूबर 1952 को बिहार के समस्तीपुर में संगीत से जुड़े एक परिवार में हुआ था। उन्होंने 1980 में ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन से अपना करियर शुरू किया और जल्द ही अपनी दमदार आवाज और भावनात्मक प्रस्तुति के लिए मशहूर हो गईं। उन्हें अपने काम के लिए कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें 1992 में पद्म श्री और 2018 में पद्म विभूषण शामिल हैं।

टाइट चोली और लहंगा में शहनाज ने फ्लॉन्ट किया कातिलाना फिगर, पटाखा कुड़ी बन दिए दिलकश पोज

एक्ट्रेस शहनाज गिल दिनों स्टाइल आइकन बनी हुई हैं। पंजाब की कैटरीना जहां जाती हैं अपने लुक से महफिल लूट लेती हैं। हाल ही में उनका एक लुक सामने आया है जो काफी वायरल हो रहा है। दरअसल, शहनाज ने दीवाली के मौके पर बेहद ही स्टनिंग फोटोशूट करवाया जिसकी तस्वीरें उन्होंने इंस्टा अकाउंट पर शेयर की हैं। सामने आईं तस्वीरों में शहनाज टाइट चोली, लहंगा पहने नजर आ रही हैं। शहनाज ने मिनिमल मेकअप, न्यूड लिप्स से लुक को पूरा किया है। हेयरस्टाइल की बात करें तो शहनाज ने बालों को स्ट्रेट कर खुला रखा है। शहनाज मोमबत्तियों की जगमगाती रोशनी में पटाखा कुड़ी बन दिलकश अंदाज में पोज दे रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। काम की बात करें तो शहनाज गिल का राजकुमार राव के साथ म्यूजिक वीडियो रिलीज हुआ है। राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के इस चौथे गाने 'सजना वे सजना' में शाहनाज गिल छा गई हैं। इसके अलावा वह जल्द ही वरुण शर्मा के साथ सब फर्स्ट क्लास में नजर आएंगी।

द साबरमती रिपोर्ट के गाने के लिए फिर साथ आए कविता कृष्णमूर्ति, सुरेश वाडकर

मशहूर प्लेबैक सिंगर कविता कृष्णमूर्ति और सुरेश वाडकर विक्रांत मैसी अभिनीत फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' में एक गीत के लिए फिर से साथ आए हैं। राम राम शीर्षक वाला यह गीत कई वर्षों के बाद दिग्गज गायकों को एक साथ लेकर आया है। एक विश्वसनीय सूत्र ने आईएएनएस को बताया, प्रसिद्ध पार्श्व गायिका कविता कृष्णमूर्ति और सुरेश वाडकर ने श्द साबरमती रिपोर्टश् के लिए एक भक्ति गीत राम राम गाने के लिए सहयोग किया है। इससे पहले, द साबरमती रिपोर्ट का दमदार टीजर रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों का बेहद प्प्यार मिला था। यह फिल्म एक ऐसी कहानी लेकर आई है, जो भारतीय इतिहास की एक ऐसी घटना पर प्रकाश डालती है, जिसने हमारे दिमाग पर गहरी छाप छोड़ी है। निर्माता लगातार दर्शकों के लिए उत्साह का स्तर बढ़ा रहे हैं, जो अधिक जानने के लिए उत्सुक हैं। इस फिल्म में राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा भी हैं। यह फिल्म 2002 में गोधरा में ट्रेन जलाने की घटना पर आधारित है। फरवरी 2002 में भगवान राम के हजारों भक्त (जिन्हें रामसेवक या कारसेवक के रूप में जाना जाता है) विश्व हिंदू परिषद के आदेश पर पूर्णाहुति महायज्ञ नामक समारोह में भाग लेने के लिए गुजरात से अयोध्या आए थे। 25 फरवरी को 1,700 लोग तीर्थयात्रियों सहित अहमदाबाद जाने वाली साबरमती एक्सप्रेस में सवार हुए। 27 फरवरी 2002 को ट्रेन गोधरा में रुकी, जहां कथित तौर पर भीड़ ने ट्रेन के चार डिब्बों में आग लगा दी। इससे 27 महिलाओं और 10 बच्चों सहित 59 लोग जलकर मर गए, जबकि 48 अन्य घायल हो गए। बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत और बालाजी मोशन पिक्चर्स और विकिर फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले शोभा कपूर, एकता आर कपूर, अमूल वी मोहन और अंशुल मोहन द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन धीरज सरनाल ने किया है और यह 15 नवंबर को रिलीज होने वाली है।

संगीतकार सचिन सांघवी की बेटी तनिष्का ने सेट पर आकर अपने पिता को दिया सरप्राइज

सिंगिंग रियलिटी शो 'सा रे गा मा पा' में संगीतकार सचिन सांघवी की बेटी तनिष्का ने सेट पर आकर अपने पिता को चौंका दिया। मंच पर उनके खूबसूरत बॉन्ड को देखकर जिगर भावुक हो गए और तनिष्का द्वारा मात्र ८ साल की उम्र में रिकॉर्ड किए गए पहले गाने लाडकी को याद किया।

सिंगिंग रियलिटी शो 'सा रे गा मा पा' में संगीतकार सचिन सांघवी की बेटी तनिष्का ने सेट पर आकर अपने पिता को चौंका दिया। मंच पर उनके खूबसूरत बॉन्ड को देखकर जिगर भावुक हो गए और तनिष्का द्वारा मात्र 8 साल की उम्र में रिकॉर्ड किए गए पहले गाने लाडकी को याद किया। जिगर ने कहा, जब तनु सिर्फ 8 साल की थी, तब हमने लाडकी गाना बनाया था। यह हमारे दिल की उपज है और अपनी नन्हीं तनु को परफॉर्म करते देख हमें बेहद खुशी और गर्व महसूस हुआ। मुझे आज भी वह पल याद है। उन्होंने आगे बताया, यह गाना हमारे दिल से निकले सबसे खास गानों में से एक है। जब आपका गाना आपके अपने बच्चे द्वारा गाया जाता है, तो वह एहसास अद्भुत होता है। यह हमारे जीवन के सबसे गर्व के दिनों में से एक है और मुझे लगता है कि आपके पिता और मैं इससे अधिक गर्व महसूस नहीं कर सकते। इस शो के मेंटर्स के पैनल में सचिन–जिगर, सचेत परंपरा और गुरु रंधावा शामिल हैं। शो को विपुल रॉय और सलमान अली होस्ट कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का यह वीकेंड दर्शकों के लिए एक ट्रीट है, क्योंकि दिवाली स्पेशल एपिसोड के दौरान सभी मेंटर्स और कंटेस्टेंट्स जश्न के मूड में नजर आए। यह पल सेट पर मौजूद सभी लोगों के लिए बेहद खुशनुमा रहा, लेकिन, दर्शकों के लिए टॉप 10 कंटेस्टेंट की बेहतरीन परफॉर्मेंस देखना भी दिलचस्प है। सा रे गा मा पा हर शनिवार और रविवार को रात 9 बजे जी टीवी पर प्रसारित होता है।

पीरियड क्रैंप्स से राहत और स्किन के लिए बेहतरीन, जानें यह खास नुस्खा!

महिलाओं के लिए पीरियड्स के दौरान होने वाला दर्द और बेजान त्वचा अक्सर परेशान करने वाले मुद्दे होते हैं। अगर इन दोनों समस्याओं का समाधान एक साथ हो जाए, तो यह जीवन को काफी आसान बना सकता है। एक प्रभावी घरेलू उपाय के रूप में, कद्दू के बीज, काले तिल और सूरजमुखी के बीज का मिश्रण शहद के साथ न केवल पीरियड क्रैंप्स को कम करता है, बल्कि त्वचा को भी निखारता है।

सामग्री

शहदः 1 चम्मच
कद्दू के बीजः 1 चम्मच
काले तिल के बीजः 1 चम्मच
सूरजमुखी के बीजः 1 चम्मच

उपाय बनाने और सेवन करने का तरीका

इन सभी बीजों को एक साथ मिलाकर और शहद के साथ सेवन करना एक प्रभावी उपाय है। इसके लिए 1 चम्मच कद्दू के बीज, 1 चम्मच काले तिल के बीज, 1 चम्मच सूरजमुखी के बीज और 1 चम्मच शहद को एक कटोरी में डालें और अच्छी तरह मिलाएं। यह मिश्रण न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि आपकी सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इसे सुबह या शाम नाश्ते के रूप में या खाने के बाद हेल्दी स्नैक के रूप में लिया जा सकता है। नियमित रूप से इसे सेवन करने से पीरियड क्रैंप्स में राहत और त्वचा की चमक में सुधार हो सकता है।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज मैग्नीशियम और जिंक से भरपूर होते हैं, जो हार्मोन को संतुलित करने में मदद करते हैं। ये पीएमएस (प्री–मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम) जैसे लक्षणों को कम कर सकते हैं, जिससे पीरियड क्रैंप्स में राहत मिलती है।

काले तिल के बीज

काले तिल के बीज में हेल्दी फैट्स और विटामिन होते हैं, जो त्वचा की लोच और हाइड्रेशन बढ़ाते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को कम करने में मदद करते हैं।

सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीज में भी मैग्नीशियम, विटामिन ई, और सेलेनियम होते हैं, जो हार्मोन को संतुलित करने और ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में मदद करते हैं। ये बीज आपकी त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं।

शहद

शहद सिर्फ आपके मिश्रण को मिठा नहीं बनाता, बल्कि यह एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–बैक्टीरियल गुणों से भी भरपूर होता है, जो आपके ओवरऑल हेल्थ को सपोर्ट करता है। यह तनाव हार्मोन यानी कोर्टिसोल को नियंत्रित रखने में भी मदद करता है।

सुझाव

पानी का सेवन बढ़ाएं

उचित हाइड्रेशन आपके शरीर में विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करता है और त्वचा को निखारता है। दिन में कम से कम 8–10 गिलास पानी पीने की कोशिश करें। यह न केवल किडनी के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है, बल्कि यह शरीर में ऊर्जा के स्तर को भी बनाए रखता है। हाइड्रेटेड रहने से शरीर के अंगों की कार्यक्षमता बढ़ती है, जिससे त्वचा पर निखार आता है और डिहाइड्रेशन के कारण होने वाली समस्याएं कम होती हैं।

विटामिन और मिनरल्स

संतुलित आहार में फलों और सब्जियों को शामिल करें, जो आपकी त्वचा और हार्मोनल संतुलन के लिए लाभदायक होते हैं। फलों और सब्जियों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, जैसे कि विटामिन सी और ई, त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियाँ और मौसमी फल आपके शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करते हैं और मेटाबॉलिज्म को सुधारते हैं, जिससे आपको अंदर से स्वस्थ महसूस होता है।

योग और व्यायाम

नियमित योग और व्यायाम पीरियड क्रैंप्स को कम करने और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद कर सकते हैं। व्यायाम से रक्त संचार बढ़ता है, जिससे मांसपेशियों में ऑक्सीजन की आपूर्ति बेहतर होती है और दर्द में राहत मिलती है। योग के कुछ आसन, जैसे कि बालासन और सुप्त बद्धकोणासन, विशेष रूप से पीरियड्स के दौरान राहत प्रदान करने में सहायक होते हैं। मानसिक तनाव कम करने के लिए ध्यान और श्वास नियंत्रण के अभ्यास भी बेहद फायदेमंद होते हैं।

नींद

पर्याप्त नींद लेना शरीर के तनाव को कम करता है और त्वचा की सेहत को भी बढ़ावा देता है। जब आप अच्छी नींद लेते हैं, तो शरीर खुद को फिर से चार्ज करता है, जिससे आप तरोताजा और ऊर्जावान महसूस करते हैं। नींद की कमी से हार्मोनल असंतुलन हो सकता है, जो पीरियड्स के दर्द को बढ़ा सकता है। अच्छी नींद पाने के लिए एक नियमित सोने का समय निर्धारित करें और सोने से पहले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग कम करें। नींद के दौरान शरीर डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया भी करता है, जो आपकी त्वचा को प्राकृतिक रूप से निखारता है।

नाश्ते में मैगी खा लें लेकिन भूलकर भी ये न खाए, जानें क्यों ?

सुबह का नाश्ता हमारे दिन की शुरुआत को संवारने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन इसे सेहतमंद बनाए रखना बेहद जरूरी है। अगर आप सोच रहे हैं कि क्या सुबह छोले भटूरे जैसे तले–भुने खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए, तो आपको फिर से सोचना होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नाश्ता आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है और इससे कई गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए, आज हम जानेंगे कि क्यों छोले भटूरे से बचना चाहिए और कौन से पौष्टिक विकल्प आपके नाश्ते को न केवल स्वादिष्ट, बल्कि सेहतमंद भी बना सकते हैं। सही नाश्ते का चयन करके आप अपनी ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं और पूरे दिन सक्रिय रह सकते हैं। चलिए, एक नजर डालते हैं कुछ बेहतरीन और स्वस्थ नाश्तों पर!

छोले भटूरे का स्वास्थ्य पर प्रभाव

छोले भटूरे एक लोकप्रिय भारतीय व्यंजन है, लेकिन यह सुबह के नाश्ते के लिए सही विकल्प नहीं है। इसकी तली हुई विशेषता और इसमें उच्च मात्रा में तेल और वसा होती है, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इससे पेट खराब होने, मोटापा बढ़ने, और हड्डियों के कमजोर होने का खतरा बढ़ सकता है। इसके अतिरिक्त, मैदा की वजह से फूड एलर्जी और इम्यून सिस्टम कमजोर होने की संभावनाएं भी बढ़ जाती हैं।

बेहतर नाश्ते

मैगी

डॉक्टर ने मैगी को एक आसान विकल्प बताया है, लेकिन इसके पोषण संबंधी तत्वों की कमी इसे स्वस्थ नाश्ते का विकल्प नहीं बनाती। इसमें अधिकतर कार्बोहाइड्रेट होते हैं और फाइबर की कमी होती है, इसलिए इसे सिर्फ मजबूरी में ही खाना चाहिए। यदि कभी इसका सेवन करें, तो कोशिश करें कि इसे सब्जियों के साथ मिलाकर बनाएं, ताकि इसमें थोड़ा पोषण जोड़ सकें।

डोसा

डोसा एक स्टीम्ड और हेल्दी विकल्प है जो ना केवल आसानी से पच जाता है, बल्कि इसमें फाइबर और प्रोटीन भी होते हैं। इसे रोजाना नाश्ते में शामिल किया जा सकता है, और यह ताजगी और ऊर्जा प्रदान करता है। इसे सांबर या चटनी के साथ खाना एक संतुलित नाश्ता बनाता है, जो आपके दिन की शुरुआत को स्वस्थ बनाता है।

इडली

इडली भी एक स्टीम्ड और स्वास्थ्यवर्धक नाश्ता है, जो चावल और दाल से बना होता है। यह न केवल ऊर्जा प्रदान करता है, बल्कि वजन को नियंत्रित रखने में भी मदद करता है। इडली के साथ चटनी या सांबर का सेवन करना इसे और भी स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाता है, और यह जल्दी पचने वाला होता है।

ब्रेड ऑमलेट

अंडा प्रोटीन का अच्छा स्रोत है, और ब्रेड ऑमलेट इसे और भी बेहतर बनाता है। इसे नियमित रूप से खाने से शरीर को आवश्यक पोषण मिलता है और यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है। इसमें आप अपनी पसंद के सब्जियां भी डाल सकते हैं, जिससे यह और भी पौष्टिक बन जाता है।

आलू पराठा

आलू पराठा को दही के साथ खाना न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि यह प्रोटीन और कैल्शियम का अच्छा स्रोत भी है। पराठे में देसी घी का प्रयोग करना इसे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद बनाता है, क्योंकि यह अच्छे फैट का स्रोत है। इसे सब्जियों या चटनी के साथ खाकर एक संतुलित नाश्ता बनाया जा सकता है।

पोहा

पोहा चावल से बना होता है और यह हल्का और सस्ता नाश्ता है। अगर इसमें सब्जियों को मिलाकर बनाया जाए, तो यह एक संतुलित भोजन बन जाता है। पोहा जल्दी पकता है और इसे आसानी से तैयार किया जा सकता है, जिससे यह सुबह के व्यस्त समय में एक उत्कृष्ट विकल्प बनता है। इसके सेवन से आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगती और यह वजन नियंत्रण में मदद करता है। छोले भटूरे से दूर रहकर और उपर्युक्त विकल्पों का चयन करके आप न केवल अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि दिन की शुरुआत भी एक हेल्दी नोट पर कर सकते हैं। डॉक्टर रवि के गुप्ता की सलाह का पालन करें और नाश्ते में स्वास्थ्यवर्धक चीजों का समावेश करें ताकि आप स्वस्थ और सक्रिय रहें।

लंबे-घने बालों के लिए फॉलो करें ये सिंपल टिप्स, महीने भर में दिखेगा असर

हर लड़की की चाहत होती है कि उसके बाल लंबे, घने और शाइनी हों। जिसके लिए वह काफी महंगे–महंगे हेयर प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करें। ऐसे में अगर आप भी अपने बालों को लंबा और घना बनाना चाहते हैं। तो आपको अपने हेयर केयर रूटीन में शामिल कुछ टिप्स रेगुलरली फॉलो करना चाहिए। क्योंकि अगर आप हेल्दी हेयर केयर रूटीन फॉलो नहीं करती हैं, तो इससे बालों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। कई बार पोषण की कमी होने का असर भी हमारे बालों पर नजर आता है, ऐसे में आप छोटे–छोटे टिप्स फॉलो कर आप अपने बालों को हेल्दी बना सकते हैं।

तो आइए जानते हैं इन हेयर केयर टिप्स के बारे में...

ट्रिमिंग है जरूरी

लंबे और घने बालों के लिए इनकी ट्रिमिंग कराना बेहद जरूरी है। ट्रिमिंग की सहायता से दो–मुंहे बाल रिमूव हो जाएंगे। दो मुंहे बाल ग्रोथ में बाधा बन सकते हैं। इसके साथ ही ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने और हेयर हेल्थ को इम्प्रूव करने के लिए रोजाना लकड़ी की कंघी से अपने बालों को सुलझाएं।

हेयर वॉश

बता दें कि दादी–नानी के समय से बाल धोने से पहले बालों और स्कैल्प पर तेल से मसाज की जाती है। अगर आप बाल धोने से एक रात पहले या फिर 2–3 घंटे पहले सिर में तेल अप्लाई करते हैं, तो आपको कुछ हफ्तों से इसके रिजल्ट्स दिखाई देंगे। वहीं सप्ताह में दो बार माइल्ड शैंपू से हेयर वॉश करें। वरना आपके बालों संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

डाइट पर करें फोकस

बालों को घना और लंबा बनाने के लिए आपको अपनी डाइट पर फोकस करना भी बेहद जरूरी है। आपकी डाइट में प्रोटीन, फाइबर, फैट्स, कार्बोहाइड्रेट्स, विटामिन्स और मिनरल्स जैसे तत्व संतुलित मात्रा में होने चाहिए। वहीं बालों को हार्ष केमिकल प्रोडक्ट्स, तेज धूप, ड्रायर, स्टेटनर्स और कर्लर्स जैसे टूल्स से दूर रखना चाहिए। अगर आप ऊपर बताए गए टिप्स को फॉलो करेंगे तो आपको महज कुछ हफ्तों के अंदर मनचाहे परिणाम देखने को मिलेंगे।

किडनी को करें डिटॉक्स, डाइट में जोड़ें ये 5 बेहतरीन ड्रिंक्स!

किडनी हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो रक्त से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करती है। सही ड्रिंक्स का सेवन करके आप अपनी किडनी के स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। यहां हम आपको पांच ऐसे ड्रिंक्स के बारे में बता रहे हैं, जो किडनी को डिटॉक्स करने में मददगार साबित हो सकते हैं।

नींबू पानी

सुबह की शुरुआत 2 गिलास गुनगुने पानी में 1 नींबू मिलाकर करने से किडनी के स्वास्थ्य में सुधार होता है। नींबू में मौजूद सिट्रिक एसिड किडनी में पथरी बनने से रोकता है और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक होता है।

पाइनएप्पल जूस

दिन में एक गिलास ताजा अनानास का जूस पीना किडनी के लिए बेहद फायदेमंद है। अनानास का जूस शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और किडनी को साफ करने में मदद करता है। आप इसमें पुदीना के पत्ते मिलाकर भी एक पौष्टिक जूस बना सकते हैं।

पपीते और मौसंबी का जूस

पपीता और मौसंबी दोनों ही किडनी के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। पपीते में पपैन नामक एंजाइम होता है, जो किडनी की सफाई में सहायक है, जबकि मौसंबी में विटामिन–सी होता है, जो किडनी के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। इन दोनों का जूस पीने से किडनी की पथरी और अन्य समस्याओं से बचाव हो सकता है।

अदरक और नींबू की चाय

अदरक और नींबू दोनों ही किडनी के लिए फायदेमंद होते हैं। अदरक किडनी की सूजन कम करता है और नींबू किडनी को साफ रखता है। इसे बनाने के लिए 1 कप पानी उबालें, उसमें 1 इंच अदरक और आधा नींबू का रस मिलाकर पिएं।

पानी

किडनी के लिए सबसे महत्वपूर्ण ड्रिंक पानी है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी की क्लीनिंग होती रहती है और किडनी के टॉक्सिन्स भी फ्लश आउट होते हैं। इसलिए, दिन में कम से कम 8 से 10 गिलास पानी पीने की कोशिश करें। इन ड्रिंक्स को अपनी डाइट में शामिल करके आप अपनी किडनी के स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। नियमित रूप से इनका सेवन करने से आपकी किडनी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में सक्षम रहेगी, और आप स्वस्थ महसूस करेंगे। किडनी के स्वास्थ्य का ख्याल रखना न केवल आपकी किडनी के लिए बल्कि आपके समग्र स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है।

संक्षिप्त

शुभमन गिल ने किया कमाल, शतक से चूके फिर भी बना दिया अनोखा रिकॉर्ड

शुभमन गिल ने मुंबई टेस्ट में भारत की पहली पारी के दौरान शानदार प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने 90 रन की पारी खेली लेकिन शतक से चूक गए। उन्होंने बावजूद इसके एक खास मुकाम अपने नाम किया है। दरअसल, गिल ने साल 2024 में 800 टेस्ट रन पूरे कर लिए हैं। वे ऐसा करने वाले दुनिया के छठे बल्लेबाज बन गए हैं। भारती और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। बता दें कि, गिल भारत की पहली पारी के दौरान नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने इस दौरान 146 गेंदों का सामना करते हुए 90 रन बनाए। गिल ने 7 चौके और 1 छक्का लगाया। उन्होंने इस पारी की बदौलत इस कैलेंडर ईयर में 800 टेस्ट रन पूरे कर लिए। शुभमन ऐसा करने वाले भारत के दूसरे और दुनिया के छठे बल्लेबाज हैं। इस मामले में यशस्वी जायसवाल ने भी 2024 में 800 से ज्यादा टेस्ट रन बनाए हैं। फिलहाल, टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को पहली पारी में 235 रनों के स्कोर पर ऑल आउट कर दिया था। वहीं दूसरी पारी में टीम संघर्ष कर रही है। इसके जवाब में भारत ने पहली पारी में 263 रन बनाए। भारत के लिए गिल और पंत ने फिफ्टी जड़ी। पंत ने 60 रनों की पारी खेली।

सरफराज खान को नंबर 8 पर भेजने पर भड़के फैंस, टीम मैनेजमेंट को बताया गलत

न्यूजीलैंड के खिलाफ एक बार फिर भारतीय बल्लेबाजों की कमियां उजागर हुई हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर और क्रिकेट फैंस ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट की पहली पारी में सरफराज खान को नंबर 8 पर

बल्लेबाजी कराने के भारत के फैसले की आलोचना की। टेस्ट मैच के दूसरे दिन रविंद्र जडेजा के बाद 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए सरफराज डक आउट हो गए। सरफराज खान को बल्लेबाजी क्रम में इसलिए पीचे रखा गया क्योंकि भारत ने पहले दिन अंतिम सत्र में नाइटवॉचमैन के रूप में सिराज को भेजा था। शुभमन गिल और ऋषभ पंत के बीच 96 रनों की साझेदारी के बाद मुंबई के इस बल्लेबाज के नंबर 7 पर आने की उम्मीद थी, लेकिन भारत ने दाएं–बाएं संयोजन को बनाए रखने के लिए रविंद्र जडेजा को भेजा। पहली पारी में सरफराज खान केवल चार गेंदों पर ही खेल पाए और एजाज पटेल की गेंद पर आउट हो गए। ये गेंद पिच पर गिरने के बाद तेजी से उछली और घूम गई। संजय मांजरेकर ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाया कि भारत ने सरफराज को क्यों रोका, जो शानदार फॉर्म में हैं। मुंबई के इस युवा बल्लेबाज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बेंगलुरु में पहले टेस्ट में दूसरी पारी में शानदार पारी खेलते हुए 150 रन बनाए थे।

भारतीय टीम के बल्लेबाजों का बेहद खराब प्रदर्शन, न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचों पारियों में रही विफल

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की पांच पारियों में भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। लगातार पारियों में भारतीय बल्लेबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए हैं। बेंगलुरु टेस्ट में 46 रन पर ढेर होने के बाद भारतीय टीम ने हर पारी में गुच्छों में विकेट गंवाए हैं। इस सीरीज में भारत का कोई भी बल्लेबाज 200 से ज्यादा रन नहीं बना सका है, जबकि कीवी टीम के तीन बल्लेबाजों ने 200 से ज्यादा रन बनाए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की शुरुआत में भारतीय टीम सिर्फ 46 पर ढेर हो गई थी। इसके बाद दूसरी पारी में टीम ने 462 रन बनाए लेकिन यहां भी मजबूत स्थिति में होने के बाद बावजूद बल्लेबाजों ने निराश किया। भारत ने एक समय तीन विकेट पर 408 रन बनाए थे। लेकिन अगले सात विकेट सिर्फ 54 रन पर गंवा दिए। पुणे में खेले गए दूसरे टेस्ट में भी बल्लेबाजों का यही हाल रहा। दूसरे मैच की पहली पारी में भारत ने 50 के स्कोर तक सिर्फ एक विकेट गंवाए थे इसके बाद टीम ने 53 रन के अंदर 6 विकेट गंवा दिए। दूसरी पारी में भारतीय टीम ने एक विकेट खोकर 96 रन बनाए ते और फिर 71 रन के अंदर 6 विकेट गंवा दिए। मुंबई में खेले जा रहे मैच की पहली पारी में टीम ने 4 विकेट खोकर 180 रन बनाए, इसके बाद 83 रन के अंदर टीम ने 6 विकेट खो दिए।

पृथ्वी शॉ जैसा होगा हाल... ऑस्ट्रेलियाई कोच नील डीकोस्टा ने इस खिलाड़ियों को लेकर सिलेक्टर्स को चेताया

ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी कोच नील डीकोस्टा ने भारत के पृथ्वी शॉ का उदाहरण देकर ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं से आग्रह किया है कि वह 19 वर्षीय बल्लेबाज सैम कोनस्टास को भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज के लिए टीम में शामिल करने में जल्दबाजी न करें। दरअसल, डीकोस्टा का मानना है कि कोनस्टास अभी पांच दिवसीय प्रारूप के लिए तैयार नहीं है। ये युवा बल्लेबाज भारत के खिलाफ सीरीज में उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करने के दावेदारों में शामिल है। डीकोस्टा अतीत में माइकल क्लार्क और दिवंगत फिलिप ह्यूज को ट्रेनिग दे चुके हैं। वह सैम कोनस्टास को भी बल्लेबाजी के गुर सिखा चुके हैं। डीकोस्टा ने सिडनी मार्निंग हेराल्ड से कहा कि, वह 100 टेस्ट खेल सकता है लेकिन अगर अभी उसे राष्ट्रीय टीम में चुना जाता है तो वह 10 टेस्ट तक ही सीमित रह सकता है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसमें काफी क्षमता है लेकिन अभी उसे घरेलू क्रिकेट में खेलने देना चाहिए। डीकोस्टा ने कहा कि, उसका अभी टीम में चयन करना हास्यास्पद होगा। हमारे सामने पृथ्वी शॉ का उदाहरण है। टीम में उनके चयन से पहले मैं उनकी कमजोरी बता सकता था। शॉ ने 2018 में टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने आखिरी टेस्ट 2020 में खेला। शॉ ने जुलाई 2021 से कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला।

भारतीय टीम के दो महारथी, रोहित और विराट

न्यूजीलैंड के खिलाफ छह पारियों में 100 रन भी नहीं बना सके

मुंबई। विराट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ इस सीरीज में तीन टेस्ट की छह पारियों में 15.50 की औसत से 93 रन बनाए। इसमें एक अर्धशतक शामिल है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का प्रदर्शन शर्मनाक रहा। अपने ही घर में भारतीय टीम ने सीरीज गंवा दिया। भारतीय टीम 12 साल बाद अपने घर में कोई टेस्ट सीरीज हारी और घर में लगातार 18 टेस्ट सीरीज जीतने का सिलसिला भी टूट गया। वैसे तो पूरी टीम का ही प्रदर्शन खराब रहा, लेकिन जिन दो दिग्गजों से सबसे ज्यादा उम्मीद थी, उनका प्रदर्शन तो बेहद निराशाजनक रहा। हम बात कर रहे हैं कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली की। दोनों को स्पिन का बेहद शानदार खिलाड़ी माना जाता है, लेकिन इस सीरीज में मेहमान टीम के गेंदबाज दोनों पर हावी रहे। रोहित ने तेज गेंदबाजों पर भी गलत शॉट खेलकर अपने विकेट तोहफे के रूप में दिया। नतीजा यह हुआ कि दोनों तीन टेस्ट की छह पारियों में 100–100 रन भी नहीं बना सके। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में विराट–रोहित का खराब प्रदर्शन विराट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ इस सीरीज में तीन टेस्ट की छह पारियों में 15.50 की औसत से 93 रन बनाए। इसमें एक अर्धशतक शामिल है। दूसरे टेस्ट में उन्होंने 70 रन की पारी खेली थी। इस पारी को छोड़ दिया जाए तो बाकी की पांच पारियों में वह 23 रन बना सके। वहीं, रोहित शर्मा ने तीन टेस्ट की छह पारियों में विराट से भी कम 91 रन बनाए। इसमें एक अर्धशतक शामिल है। इस दौरान उनका औसत 15.17 का रहा है। रोहित ने पहले टेस्ट में 52 रन बनाए थे, जो कि इस सीरीज में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। बाकी की पांच पारियों में उन्होंने 39 रन बनाए। इन दोनों से ज्यादा रन रवींद्र जडेजा के नाम है, जिन्होंने छह पारियों में 105 रन बनाए। रोहित ने मुंबई टेस्ट की पहली पारी में 18 रन और दूसरी पारी में 11 रन बनाए। विराट के नाम खराब रिकॉर्ड विराट मुंबई टेस्ट की पहली पारी में चार रन बना पाए थे, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने एक रन बनाए। इस तरह उन्होंने इस टेस्ट में कुल पांच रन बनाए। विराट द्वारा बनाए गए पांच रन उस टेस्ट में उनका सबसे कम स्कोर है, जिसमें उन्होंने दो बार बल्लेबाजी की है। इससे पहले 2014 में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ दोनों पारियों को मिलाकर सात रन और 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ग्रॉस आइलेट में दोनों पारियों को मिलाकर सात रन बनाकर आउट हुए थे। दिग्गजों में गिनती, पर काम फिसड्डी विराट कोहली बल्लेबाज रोहित शर्मा 6 पारी 6 93 रन 91 15.50 औसत 15.17 1 अर्धशतक 1 इस कैलेंडर ईयर में विराट–रोहित का खराब प्रदर्शन विराट कोहली का फॉर्म इस साल बेहद खराब रहा है। उन्होंने छह टेस्ट की 12 पारियों में 22.72 की औसत से 250 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक अर्धशतक लगाया। 70 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है। विराट ने पिछली 10 पारियों में 192 रन बनाए। वहीं, रोहित ने इस साल 11 टेस्ट की 21 पारियों में 29.40 की औसत से 588 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। रोहित के खाते में टेस्ट की पिछली 10 पारियों में कुल 133 रन ही हैं।

कोहली ने 2027 तक आरसीबी के साथ 20 साल पूरे करने के संकेत दिए

विराट कोहली को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 21 करोड़ रुपये की फीस पर रिटेन किया है और भारत के स्टार क्रिकेटर ने संकेत दिए कि वह 2027 तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहेंगे जिसमें उनका लक्ष्य आरसीबी के साथ 20 साल पूरे करना है। कोहली के शीर्ष स्तर पर क्रिकेट खेलने के समय को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं क्योंकि यह 36 वर्षीय खिलाड़ी कोविड–19 की शुरुआत के बाद से पिछले चार वर्षों से ज्यादा धमाल नहीं कर पाया है। वह 2008 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरुआत से ही आरसीबी के लिए खेल रहे हैं और प्रतियोगिता में सर्वाधिक रन जुटाने वाले खिलाड़ियों में शुमार रहे हैं। उन्होंने 131. 97 के शानदार स्ट्राइक रेट से 8,000 से अधिक रन बनाए हैं जिसमें आठ शतक और 55 अर्द्धशतक शामिल हैं। कोहली ने 'आरसीबी बोल्ड डायरीज' में संकेत दिया कि उनका लक्ष्य 2027 तक कम से कम तीन साल और खेलना है। उन्होंने इसमें कहा, ''इस चक्र के अंत में मुझे आरसीबी के लिए खेलते हुए 20 साल हो जायेंगे और यह मेरे लिए बहुत ही खास अहसास है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं एक टीम के लिए इतने साल तक खेलूंगा, लेकिन इतने वर्षों में रिश्ता सही में बहुत विशेष हो गया है।'' उन्होंने फिर कहा कि वह खुद को किसी अन्य फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हुए नहीं देखते। उन्होंने कहा, ''मैं आरसीबी के अलावा कहीं और खुद को खेलते हुए नहीं देखता। मैं बहुत खुश हूं कि ऐसा हुआ। मैं बहुत उत्साहित हूं कि मुझे इस नीलामी में एक नयी टीम बनाने का मौका मिला। हम फ्रेंचाइजी और टीम के तौर पर इसके लिए उत्साहित हैं।'' कोहली ने साथ ही फ्रेंचाइजी और इसके प्रशंसकों से करीबी रिश्ते की बात की और कहा कि उनका लक्ष्य टीम को खिताब दिलाना होगा। उन्होंने कहा, ''हर कोई जानता है कि आरसीबी मेरे लिए कितनी अहमियत रखती है। इतने वर्षों का यह विशेष रिश्ता लगातार मजबूत होता जा रहा है। मुझे उम्मीद है कि प्रशंसक और फ्रेंचाइजी से जुड़े सभी लोग भी ऐसा ही महसूस करेंगे।''

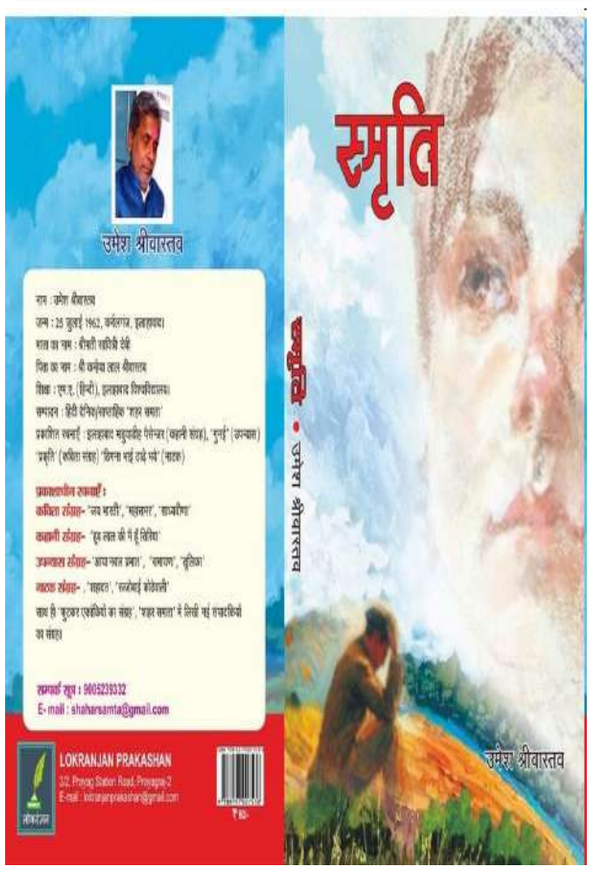

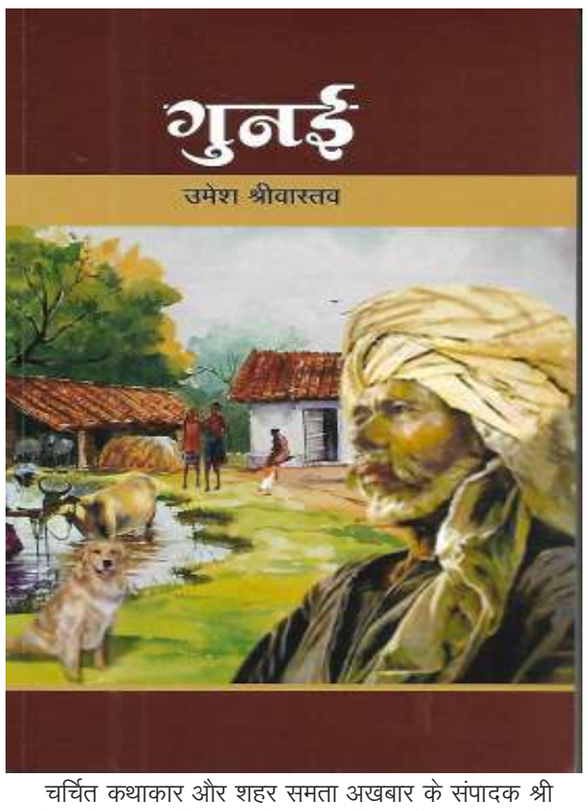

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

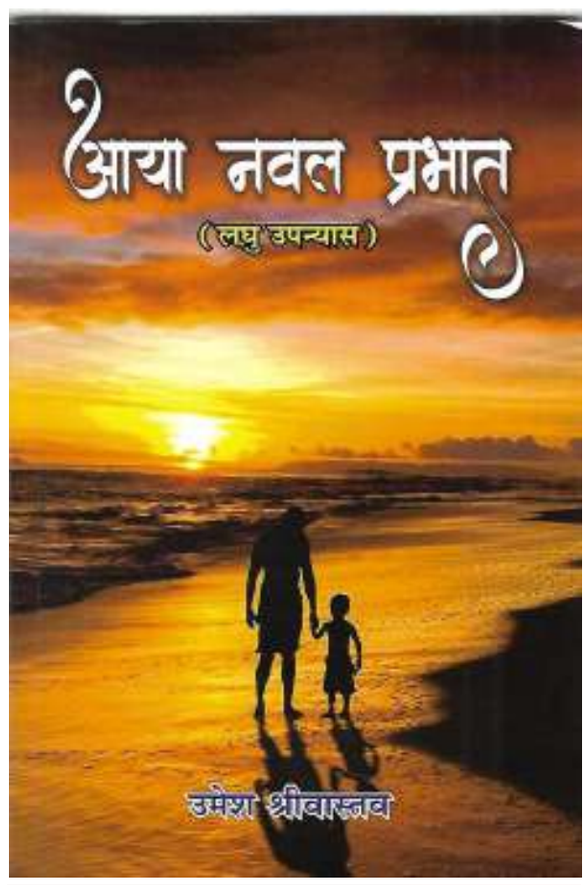

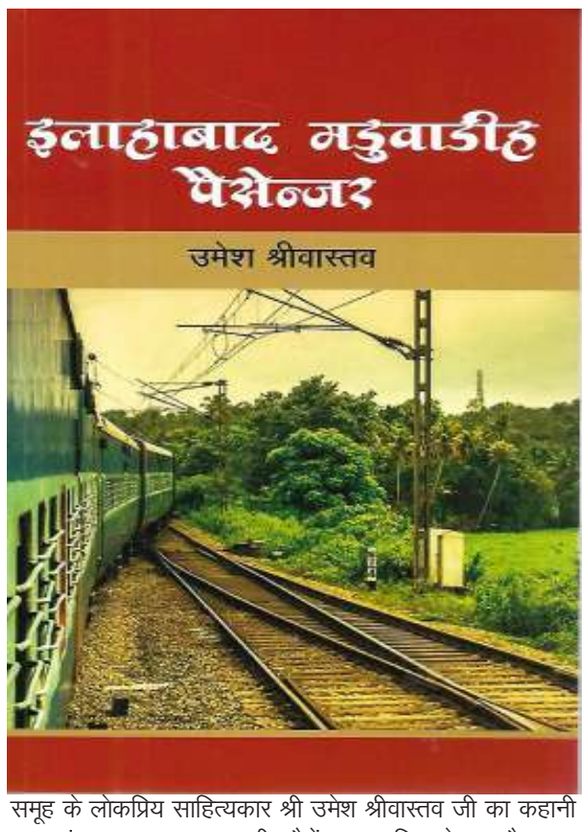

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

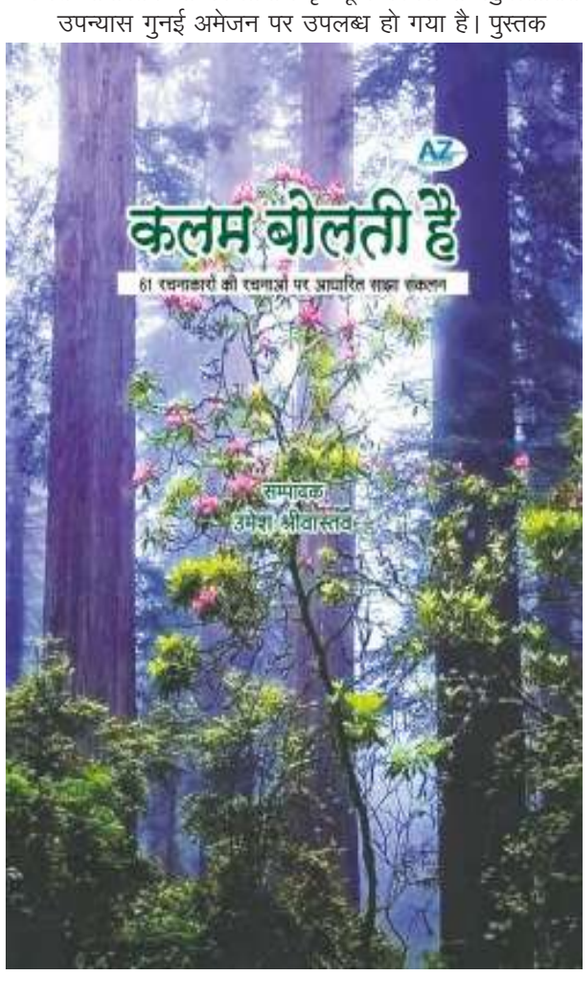

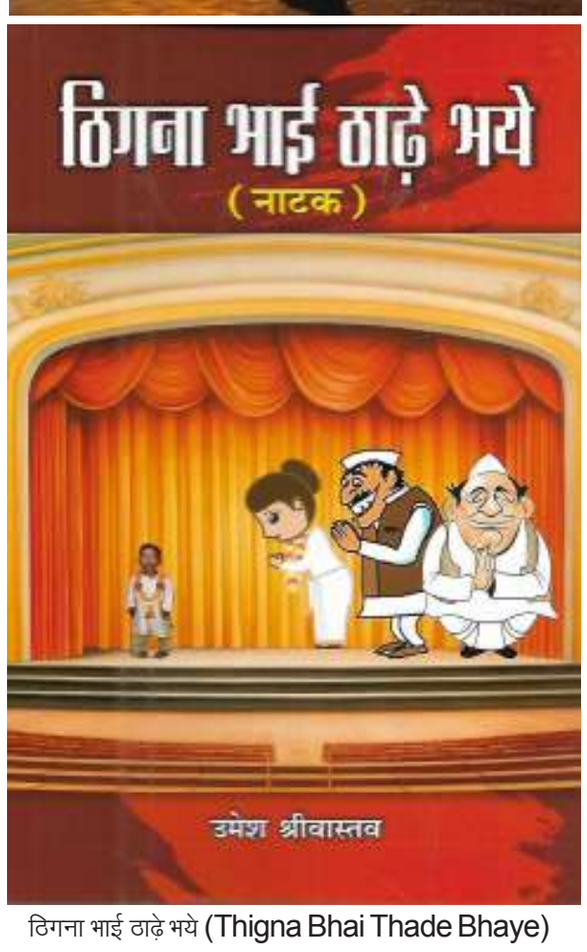

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

जेलेंस्की ने उ. कोरियाई सैनिकों के मोर्चे पर पहुंचने से पहले सहयोगी देशों से कदम उठाने का आग्रह किया

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अपने सहयोगी देशों से रूस में तैनात उत्तर कोरियाई सैनिकों के युद्ध के मैदान में पहुंचने से पहले आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। जेलेंस्की ने उन शिविरों पर यूक्रेनी हमले की संभावना जताई, जहां उत्तर कोरियाई सैनिकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा

है और कहा कि कीव को उनके स्थान का पता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि यूक्रेन अपने सहयोगियों की अनुमति के बिना रूस के काफी अंदर लक्ष्यों पर हमला करने के लिए पश्चिमी देशों में निर्मित लंबी दूरी के हथियारों का इस्तेमाल नहीं कर सकता। जेलेंस्की ने शुक्रवार देर रात मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा, ''लेकिन इसके बजाय... अमेरिका देख रहा है, ब्रिटेन देख रहा है, जर्मनी देख रहा है। हर कोई बस इस बात का इंतजार कर रहा है कि उत्तर कोरियाई सेना यूक्रेन के लोगों पर भी हमला करना शुरू कर दे।'' अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने बृहस्पतिवार को कहा था कि लगभग 8,000 उत्तर कोरियाई सैनिक अब यूक्रेन की सीमा के पास रूस के कुर्स्क क्षेत्र में हैं और आने वाले दिनों में यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ लड़ाई में क्रेमलिन की मदद करने की तैयारी कर रहे हैं।

श्रीलंका संसदीय चुनाव से संबंधित शिकायतों के मामलों में 190 से अधिक लोग गिरफ्तार

श्रीलंका में हुए 2024 के संसदीय चुनावों से संबंधित शिकायतों के सिलसिले में अब तक छह उम्मीदवारों सहित 191 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। संसदीय चुनाव के लिए मतदान 14 नवंबर को होगा। पुलिस ने बताया कि उसे संसदीय चुनाव से संबंधित 168 शिकायत मिली हैं। समाचार पोर्टल 'न्यूजफर्स्ट.एलके' ने पुलिस मीडिया प्रवक्ता डीआईजी (उप महानिरीक्षक) निहाल थलदुवा के हवाले से कहा, ''इसमें अपराध की 30 शिकायत

और चुनाव कानूनों के उल्लंघन से संबंधित 138 शिकायत शामिल हैं।'' उन्होंने बताया कि जिन 191 लोगों को 2024 के संसदीय चुनावों से संबंधित शिकायतों के सिलसिले में अब तक गिरफ्तार किया गया है उनमें चुनाव लड़ रहे छह उम्मीदवार भी शामिल हैं। पुलिस ने इन शिकायतों के संबंध में 45 वाहन भी जब्त किए हैं। इस बीच, निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसे संसदीय चुनावों से संबंधित 1,259 शिकायत मिली हैं। समाचार पोर्टल ने कहा कि इनमें से 13 शिकायत हिंसा के संबंध में हैं।

पाकिस्तानः खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षाबलों के काफिलों पर हमले में 16सैनिक घायल

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार कोअज्ञात बंदूकधारियों ने सुरक्षाबलों के दो अलग–अलग काफिलों पर घात लगाकर हमले किए जिसमें एक अधिकारी समेत 16 सैनिक घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिणी वजीरिस्तान जिले के सरवेकाई क्षेत्र में बंदूकधारियों ने सुरक्षाबलों के काफिले

पर हमला किया जिसमें 11 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घायलों में कैप्टन रैंक का एक अधिकारी भी शामिल है। उन्होंने बताया कि लक्की मरवत जिले में दर्रा तुंग जांच चौकी के नजदीक एक और हमला उस समय हुआ जब काफिला करक जिले से काबुल खेल में एक परमाणु ऊर्जा परियोजना स्थल की ओर जा रहा था। इस हमले में पांच सैनिक घायल हो गये।

पाकिस्तान में वाहन के खाई में गिरने से सात लोगों की मौत, छह घायल

उत्तर–पश्चिम पाकिस्तान में शनिवार को एक वाहन के खाई में गिर जाने से उसमें सवार कम से कम सात लोगों की मौत हो गई जबकि छह अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हादसा खैबर पख्तूनख्वा सूबे के बुनेर जिले में उस समय हुआ जब वाहन के ब्रेक फेल हो गए और वह अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। पुलिस और बचाव अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

. 919450482227

हिजाब न पहनने पर सुरक्षाबलों ने पीटा, गुस्से में महिला ने सभी के सामने ही उतार दिए कपड़े, वीडियो वायरल

तेहरान। ईरान अपने कड़े हिजाब प्रतिबंधों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है, लेकिन अब वहां कुछ ऐसा हुआ है, जो पूरी दुनिया में सुर्खियां बन गया है। दरअसल ईरान में सुरक्षाबलों ने एक महिला को हिजाब न पहनने के लिए प्रताड़ित किया, जिससे नाराज होकर महिला सार्वजनिक तौर पर निर्वस्त्र हो गई। इसकी वीडियो भी सामने आई हैं और सोशल मीडिया पर पूरी दुनिया के लोग इस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

विश्वविद्यालय प्रबंधन का दावा– महिला मानसिक रूप से बीमार

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घटना ईरान की इस्लामिक आजाद यूनिवर्सिटी की है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि महिला निर्वस्त्र विश्वविद्यालय कैंपस में बैठी हुई है और एक सुरक्षाकर्मी ने उसे रोकने की कोशिश कर रहा है। दावा किया जा रहा है कि महिला को हिजाब ने पहनने के चलते प्रताड़ित किया गया था, जिससे नाराज होकर उसने यह कदम उठाया। हालांकि घटना के बाद विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में दावा किया कि महिला गहरे मानसिक तनाव में है और उसे मानसिक समस्या भी है। हालांकि कई सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि महिला ने जानबूझकर ऐसा किया है।

ईरान में हिजाब को लेकर कड़े प्रतिबंध

गौरतलब है कि ईरान में महिलाओं के हिजाब पहनने के कड़े नियम हैं और अक्सर ईरान से हिजाब के विरोध की खबरें सामने आती रहती हैं। कुछ साल पहले ईरान में हिजाब न पहनने के विरोध में ही महसा अमीनी नामक युवती की सुरक्षाकर्मियों की पिटाई से मौत हो गई थी। इसके बाद पूरे ईरान में सरकार के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिनमें सैंकड़ों लोग मारे गए थे और महसा अमीनी हिजाब के विरोध का स्वर बनकर उभरी थी। उस समय भी कई महिलाओं ने हिजाब उतारकर अपना विरोध दर्ज कराया था। अब ताजा घटना को लेकर भी सोशल मीडिया पर काफी कुछ कहा जा रहा है। पश्चिमी देशों के कई यूजर्स ने इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए ईरान की सरकार की तीखी आलोचना की है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हुए विस्फोट में पांच स्कूली बच्चों समेत आठ लोगों की मौत

इस्लामाबाद/कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए गए बम विस्फोट में स्कूली बच्चों को ले जा रहे एक ऑटोरिक्शा में पांच बच्चों समेत कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। विस्फोट सुबह आठ बजकर 35 मिनट पर प्रांत के मस्तुंग जिले के सिविल अस्पताल चौक स्थित एक कन्या माध्यमिक स्कूल के पास हुआ। मस्तुंग जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) मियांदाद उमरानी ने पुष्टि की कि विस्फोट के बाद पांच स्कूली बच्चों समेत सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा, घायलों की संख्या लगभग 27 है और कुछ घायलों को कुछ स्थानीय निवासी खुद ही अस्पतालों तक ले गए। लेकिन उमरानी ने कहा कि शुरुआत में मरने वालों की संख्या सात जबकि घायलों की संख्या करीब 17 थी। उन्होंने कहा कि कुछ घायलों की हालत गंभीर है। अब तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन

जातीय बलूच आतंकवादी और तालिबान आतंकवादी अक्सर प्रांत में सुरक्षा बलों पर हमला करते हैं। उन्होंने कहा, टाइमर के जरिए किए गए आईईडी बम हमले का निशाना एक अस्पताल और एक हाई स्कूल के पास खड़ी पुलिस वैन थी। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने एक खड़ी मोटरसाइकिल में छिपाकर रखे गए विस्फोटक पदार्थ को विस्फोट करने के लिए रिमोट कंट्रोल डिवाइस का इस्तेमाल किया। कलात डिवीजन के कमिश्नर नईम बाजई ने कहा, '' विस्फोट में आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) का उपयोग हुआ था और इसका निशाना स्कूल के पास खड़ा पुलिस का एक वाहन था।'' पुलिस का वाहन जब आईईडी के करीब पहुंचा तो उसमें विस्फोट हो गया और एक स्कूल वैन भी इसकी चपेट में आ गई। विस्फोट में एक पुलिस वाहन और कई ऑटो–रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने कहा, ''विस्फोट इतना जोरदार था कि घटना के वक्त स्कूल जा रहे स्कूली बच्चे भी इसकी जद में आ गए।'' हमले के बाद सीसीटीवी फुटेज में पुलिसकर्मी और अन्य लोग जले हुए वाहन के चारों ओर खड़े दिखाई दिए। इस बीच, बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इस विस्फोट की निंदा की और इसे ''अमानवीय'' करार दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने अब ''गरीब मजदूरों के साथ–साथ मासूम बच्चों को भी निशाना बनाया है''। उनका इशारा स्पष्ट तौर पर हाल में प्रांत के पंजगुर जिले में एक बांध निर्माण स्थल पर अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा किए गए हमले की ओर था, जिसमें पांच मजदूरों की मौत हो गई थी और दो अन्य घायल हो गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा, हम मासूम बच्चों और लोगों की हत्या का बदला लेंगे। उन्होंने कहा कि शहरी इलाकों में रहने वाले नागरिकों को भी आतंकवादियों पर नजर रखने की जरूरत है। बुगती ने कहा, आतंकवाद से केवल एकजुट होकर ही लड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने बच्चों को लक्षित किया, क्योंकि उन्होंने इसे आसान लक्ष्य समझा। 'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार, विस्फोट के बाद समूचे क्वेटा में आपात स्थिति घोषित कर दी गयी है। खबर में प्रांतीय स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता के हवाले से कहा गया है कि सभी चिकित्सकों, फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स और अन्य चिकित्सा कर्मचारियों को बुलाया गया है।

न्यूयॉर्क में रहने वाले अधिकतर मुसलमानों के लिए गाजा सबसे बड़ा मुद्दा

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क शहर में रिवरसाइड ड्राइव पर स्थित इस्लामिक कल्चरल सेंटर में आसपास के इलाकों से सैकड़ों मुसलमान शुक्रवार की नमाज पढ़ने आते हैं। नमाज के बाद गाजा के लोगों के लिए खास तौर पर दुआ होती है। कॉरपोरेट क्षेत्र में काम करने वाले अली नियमित रूप से नमाज पढ़ते हैं, खास तौर पर शुक्रवार को। उनका कहना है कि पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में अंतरराष्ट्रीय मुद्दे मुसलमानों के स्थानीय मुद्दों पर हावी हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ''बहुत सारे मुद्दे हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि गाजा में जो कुछ हम देख रहे हैं, उससे जरूरी कोई मुद्दा हो सकता है। मुस्लिम समुदाय का एक बड़ा हिस्सा उम्मीदवारों के बयानों और कार्यों से सहज महसूस नहीं कर रहा।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा प्रतीत होता है कि डेमोक्रेटिक पार्टी को डर है कि कहीं इजराइल समर्थक पक्ष नाराज न हो जाए। मुझे लगता है कि करुणा और सहानुभूति का यह अभाव बहुत निराशाजनक है।'' इस राष्ट्रपति चुनाव में न्यूयॉर्क के मुसलमान एक जटिल राजनीतिक हालात का सामना कर रहे हैं। समुदाय घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मुद्दों पर अपनी चिंताओं को लेकर पसोपेश में नजर आ रहा है। गाजा की स्थिति इस प्रभावशाली मतदाता समूह के सदस्यों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। इनमें से कई ने पश्चिम एशिया की स्थिति को संभालने को लेकर सरकार के तरीके पर स्पष्ट रूप निराशा व्यक्त की। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड के निवासी वकास कहते हैं, ''हमारे लिए गाजा की स्थिति बहुत महत्वपूर्ण है। युद्ध समाप्त होना चाहिए, और हमें नहीं लगता कि मौजूदा सरकार इस मामले में कुछ खास कर रही है। गर्भपात के अधिकार और यहां तक घ्कि एलजीबीटीक्यू जैसे अन्य मुद्दे भी चिंताजनक हैं, लेकिन गाजा अभी सबसे ज्यादा चिंताजनक है।'' 'इंस्टिट्यूट फॉर सोशल पॉलिसी एंड अंडरस्टैंडिंग' (आईएसपीयू) ने हाल ही में तीन राज्यों (जॉर्जिया, पेंसिल्वेनिया और मिशिगन) में सर्वेक्षण किया, जिसमें पता चला कि गाजा में जारी युद्ध बहुसंख्यक मुस्लिम मतदाताओं (61 प्रतिशत) के लिए चिंता का सबसे बड़ा विषय है। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि यह सभी लिंग, आयु, जाति और दलीय आधारों के मुसलमानों के लिए सबसे बड़ा मुद्दा है।

बांग्लादेश के हिंदू फिर हुए एकजुट

आरोप– यूनुस सरकार में बढ़े हमले, हिंसा की घटनाओं में भी बढ़ोतरी

ढाका। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले और उनके खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। यही वजह है कि शनिवार को एक बार फिर हजारों की तादाद में बांग्लादेश के हिंदू समुदाय के लोगों ने सड़कों पर उतर विरोध मार्च निकाला। इस विरोध मार्च के दौरान हिंदू समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों ने सुरक्षा की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि पूर्व की शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद से उन्हें हिंसा और धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। बीते अगस्त में एक छात्र आंदोलन के चलते शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतत्व में एक कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश में प्रशासन कर रही है, लेकिन शेख हसीना की सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से बांग्लादेश में हिदुओं और अन्य अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों पर हमले की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनके खिलाफ अल्पसंख्यक वर्ग द्वारा कई बार विरोध प्रदर्शन किए गए हैं। मोहम्मद यूनुस ने भी अल्पसंख्यकों पर हमलों की बात को स्वीकार किया था, लेकिन कहा कि ये हमले धर्म के आधार पर नहीं बल्कि राजनीति से प्रेरित हैं। विरोध प्रदर्शन कर रहे अल्पसंख्यकों ने मोहम्मद यूनुस सरकार से उन पर हो रहे हमलों के विरोध में कार्रवाई की मांग की है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह बेहद खेदजनक है कि बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार अल्पसंख्यकों द्वारा झेली जा रही पीड़ा को स्वीकार ही नहीं कर रही। लोगों के धर्म स्थलों, व्यवसायों और घरों पर हमले हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कानून बनाने और सरकार से अल्पसंख्यकों को न्यूनतम प्रतिनिधित्व अनिवार्य करने की मांग की। इस सप्ताह चटगांव में अल्पसंख्यक अधिकार रैली में भाग लेने के लिए 19 लोगों के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किए जाने के बाद से अल्पसंख्यकों में तनाव के हालात हैं। अल्पसंख्यक प्रदर्शनकारियों का कहना है कि लोगों पर देशद्रोह के झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं, जिससे सरकार की मंशा पर सवाल उठ रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की आबादी कुल आबादी की 8 फीसदी है।

मेरी मां ने मुझे और मेरी बहन को हमारी विरासत की सराहना और सम्मान करना सिखाया : कमला हैरिस

अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने शनिवार को प्रकाशित एक लेख में बचपन में की गईं भारत की अपनी यात्राओं और कैंसर का इलाज करने के अपनी मां के मिशन को याद किया। हैरिस ने दक्षिण एशियाई के ऑनलाइन प्रकाशन 'द जगरनॉट' में प्रकाशित एक लेख में कहा, ''जब मैं और मेरी बहन बड़े हो रहे थे, तब मेरी मां ने हमें हमारी विरासत की सराहना और सम्मान करना सिखाया। हम लगभग हर दूसरे साल दिवाली के मौके पर

भारत जाया करते थे। हम अपने दादा–दादी और अन्य रिश्तेदारों के साथ समय बिताते थे।'' उन्होंने कहा, ''और उपराष्ट्रपति के तौर पर मेरे आवास (उपराष्ट्रपति के सरकारी आवास) पर दिवाली समारोह का आयोजन किया जाना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। इसका मकसद न केवल अवकाश मनाना है बल्कि दक्षिण एशियाई अमेरिकी प्रवासियों के समृद्ध इतिहास, संस्कृति और विरासत का जश्न मनाना है।'' राष्ट्रपति पद के लिए पांच नवंबर को होने वाले चुनाव से तीन दिन पहले प्रकाशित अपने लेख में हैरिस ने कहा कि 19 साल की उम्र में उनकी मां श्यामला हैरिस भारत से अमेरिका आईं। उन्होंने लिखा, ''मेरी मां के जीवन के दो लक्ष्य थेरू पहला–अपनी दो बेटियों– मेरा एवं मेरी बहन माया का पालन पोषण करना तथा दूसरा स्तन कैंसर का इलाज करना।'' राष्ट्रपति चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि उनका मानना घ्है कि अमेरिका के लोग एक ऐसा राष्ट्रपति चाहते हैं जो सभी अमेरिकियों के लिए काम करे।

अमेरिका में गिलहरी की मौत बनी राजनीतिक मुद्दा, एलन मस्क बोले– ट्रंप सत्ता में आए तो गिलहरियों को बचाएंगे

वॉशिंगटन। अमेरिका में एक गिलहरी की मौत चर्चा की विषय बनी हुई है और अब यह राजनीतिक मुद्दा भी बन गई है। दरअसल एलन मस्क ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप अगर सत्ता में आए तो वे गिलहरियों को बचाएंगे। गौरतलब है कि अमेरिका के न्यूयॉर्क में रहने वाले एक शख्स की पालतू गिलहरी पीनट सोशल मीडिया पर बहुत चर्चित थी और उसके बड़ी संख्या में फोलोअर्स भी थे।

क्या है मामला

बीते दिनों अमेरिकी सरकार के कुछ अधिकारी उस गिलहरी को अपने साथ ले गए और उसे इच्छा मृत्यु दे दी। इसे लेकर लोगों में कड़ी नाराजगी है और लोगों ने सरकार के इस फैसले की आलोचना की। ऐसे में दिग्गज उद्योगपति एलन मस्क ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि श्सरकार ने एक बेसहारा गिलहरी को अपहृत कर उसे मौत दे दी। सरकार को लोगों और उनके जानवरों को अकेला छोड़ देना चाहिए। मस्क ने गिलहरी पीनट की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि डोनाल्ड ट्रंप गिलहरियों को बचाएंगे। कंजर्वेटिव पार्टी के समर्थक और फिल्म निर्माता रॉबी स्टारबक ने भी डोनाल्ड ट्रंप की गिलहरी के साथ एक एआई जेनरेट तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा कि श्कमला हैरिस की पार्टी की सरकार ने एक प्यारी पालतू गिलहरी की हत्या की है,

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।